श्रीमद्रामानन्दाय नमः   श्रीजानकीवल्लभो विजयतेतराम्   श्रीमदहरिरामाय नमः

श्रीवैष्णव अग्र रसिक परम्परा में जोधपुर विरक्त गूदड़ गद्दी

उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) परिचय दर्शन

उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) जोधपुर के आचार्य गण
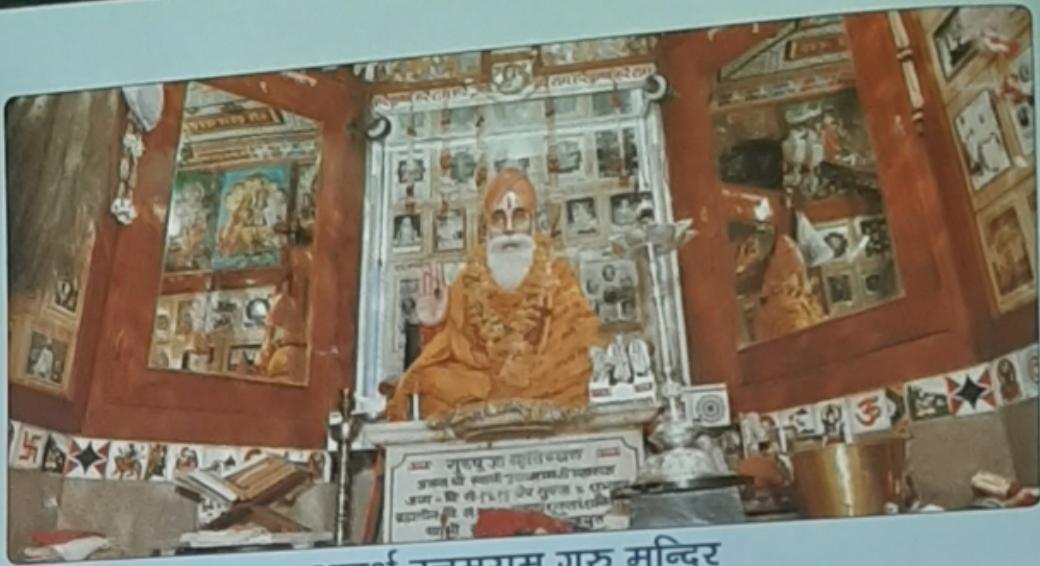
आदर्श उत्तमराम गुरु मन्दिर

श्रीवैष्णव सन्त स्मृति स्थल राजगुरु स्वामी हरिरामजी की बगेची कागा में स्थित जोधपुर विरक्त गूदड़ गद्दी प्रवर्तकाचार्य श्री श्री 108 श्री स्वामी हरिरामजी महाराज की समाधि

श्री वैष्णव विरक्त गूदड़ गद्दी अण्द्वार पीठ
उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) जोधपुर
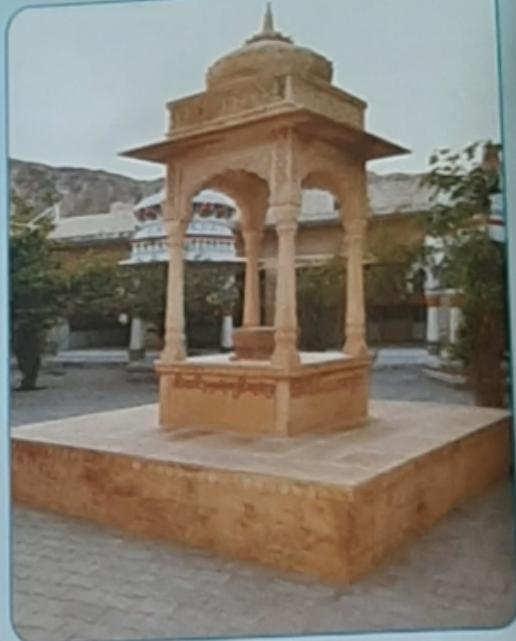
श्रीवैष्णव सन्त स्मृति स्थल राजगुरु स्वामी हरिरामजी की बगेची कागा में स्थित उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) के संस्थापक पूज्य भगवत्पाद श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज की समाधि

श्रीवैष्णव सन्त स्मृति स्थल राजगुरु स्वामी हरिरामजी की बगेची का विहंगम दृश्य

ॐ

श्रीवैष्णव अनन्त श्री आद्य जगद्गुरु स्वामी रामानन्दाचार्य परम्परानुगत
जगद्गुरु स्वामी अग्रद्वाराचार्य जी महाराज रेवासा पीठ के अधीनस्थ
श्री स्वामी हरिरामजी महाराज की युक्त पीढ़ी शाखोक्त जोधपुर विरक्त गूदड़ गद्दी

उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) परिचय दर्शन

गुरु प्रणालिका परिचय

(कुण्डलिया छन्द)

हरिराम परब्रह्म नमो, जीयाराम जगदीश।
बनानाथ हरि प्रकटे, हरि सुखरामा ईश।।
हरि सुखरामा ईश, युगल मत भेद न कोई।
अचलराम नवलेश, फूल[1] रु उत्तम[2] दोई।।
नारायण[3] व दयाराम[4] अचल शिष्य साशीश।
उत्तम विवेक वैराग्य वर, ज्ञान धार बह ईश।।

— स्वामी दयारामजी

प्रेरणास्त्रोत :
ब्रह्मवेत्ता अनन्त श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज 'वैरागी' के परम कृपापात्र

तत्त्वज्ञ स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज 'अच्युत'

श्रीमहन्त–उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ), कागातीर्थ मार्ग, जोधपुर–३४२००६

हरि गुरुभक्तों के सहयोग से प्रकाशक :

- **उत्तम प्रकाशन,** उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) कागातीर्थ मार्ग, जोधपुर–३४२००६
  फोन : ०२९१–२५४७०२४, मोबाइल – ९४१४४ १८१५५, ९४६०५ ९०४७४

विक्रम संवत् २०७३ **वार्षिकोत्सव**

- **प्रथम संस्करण : २०१६ ई०**
- **मूल्य :** २० (बीस रुपये मात्र)

आचार्य पीठ प्रातः स्व
की नित्य आरती

आरती! गुरु की सदा सुखदाता। महिमा अगम वेद यों (नित) गाता।
आपा मेट आप को लखता। सत गुरु सोई सत का वकता।
ब्रह्म स्वरूप ब्रह्म का वेत्ता। ज्ञान विज्ञान दान नित देता।
सत गुरु अगम निगम का ज्ञाता। भिन्न भिन्न अर्थ सेन (भेद) समझाता।
दे उपदेश रु भ्रम मिटाता। भव सागर से पार पठाता।
"उत्तमराम" संत उलट समाता। उलट समाय परम पद पाता।

दोहा— उत्तम जोगी ऊगतो, राम भजन भरपूर।
"उत्तमराम" की एकता, हरदम राम हजूर॥१॥

अनन्त श्री रामजी महाराज की जय। चार सम्प्रदाय बावन द्वारा की जय। चार धाम सप्तपुरी क
अनन्त श्री स्वामी रामानन्दाचार्य भगवान् की जय। सर्वश्री स्वामी अग्रदासजी महाराज की
अनन्त श्री स्वामी नाभादासजी महाराज की जय। श्री स्वामी सन्तदासजी महाराज की
श्री स्वामी हरिरामजी महाराज की जय। श्री स्वामी जीयारामजी महाराज की जय
श्री स्वामी सुखरामजी महाराज की जय। श्री स्वामी अचलरामजी महाराज की जय।
श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज की जय। जागती ज्योति स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज
अनन्त सन्त महात्माओं की जय। सद्गुरु महाराज की जय।

भए प्रकट कृपाला, दीन दयाला, कौसल्या हितकारी। हरषित महतारी, मुनि मन हारी, अद्‌भुत
लोचन अभिरामा, तनु घनस्यामा, निज आयुध भुज चारी। भूषन बनमाला, नयन बिसाला, सोभा सिंधु
कह दुई कर जोरी, अस्तुति तोरी, केहि बिधि करौं अनन्ता। माया गुन ग्यानातीत अमाना, बेद पु
करुणा सुख सागर, सब गुन आगर, जेहि गावहिं श्रुति सन्ता। सो मम हित लागी, जन अनुरागी, भयउ प्रगट
ब्रह्माण्ड निकाया, निर्मित माया, रोम रोम प्रति बेद कहै। मम उर सो बासी, यह उपहासी, सुनत धीर मति
उपजा जब ग्याना, प्रभु मुसकाना, चरित बहुत बिधि कीन्ह चहै। कहि कथा सुहाई, मातु बुझाई, जेहि प्रकार सु
माता पुनि बोली, सो मति डोली, तजहु तात यह रूपा। कीजे सिसुलीला, अति प्रिय सीला, यह सुख
सुनि बचन सुजाना, रोदन ठाना, होइ बालक सुरभूपा। यह चरति जे गावहिं, हरिपद पावहिं, ते न परहिं

(दोहा)

लिव लागी परब्रह्म से रति न खण्डे तार। रामानन्द आनन्द में, गुरु गोविन्द आधार॥
भक्ति भक्त भगवन्त गुरु, चतुर्नाम वपु एक। तिन के पद वन्दन किये, नासत विघ्न अनेक॥५॥
अनुभव पद प्रकाश के, दायक सतगुरु राम। अनन्त कोटि जन साहि की, ताहि करूं प्रणाम॥
'हरिराम' गुरु देव को, वन्दन वार हजार। नमो निरंजन राम जी, ब्रह्म लखावण हार॥६॥

गुरु के चरणा वंदि, देव तिन सब ही वन्दे।
विधि हरि हर है तुष्ट, जान निश्चय निरसन्दे॥
गुरु मानुष तन जानि के, असूया करे जु कोई।
उभय लोक ते हीन, सुरनि को द्रोही सोई॥
गुरु वंदिय परब्रह्म लखि, कहि सन्त निगम स्वछन्दनम्।
सच्चिदानन्द पर ब्रह्मयं, श्री जीयाराम गुरु वंदनम्॥७॥

राम सुखराम जु के, दिन ज्यो प्रकाशी जान्यो। गुरु गम पाय परं, पदार्थ सो मान्यो है॥
ताहि शरणागति भो, अचल आनन्दी रूप। भूपन को भूप ओ, अनूप रंग आन्यो है॥
दिल में वैराग दौड़, काहू सो सनेह नाही। कुटुम्ब परिवार जग, मिथ्या सब जान्यो है॥
थोड़े से दिनन मांहि, संगत को सार लय। पाय प्रभुताई निज, ब्रह्म पहिचान्यो है॥८॥
साधु संग आय करि, सत्यासत्य जान करि। जनम सफल करि, भव तर जाईये॥
इन्द्रियों को घेरि करि, मन को ही फेरि करि। स्वरूप में जोरि करि, ध्यान को लगाईये॥
ज्ञान को विचार करि, देह बुद्धि त्याग करि। आतमा को जान करि, मुक्त होय जाईये॥
गुरु गम पाय करि, मन को ठैराय करि। "अचल" अचल होय, ब्रह्म में समाइये॥९॥

राम रूप सतगुरु सदा, निर्गुण ब्रह्म समान।
गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु शिव, सगुण देव शुद्ध जान॥
सगुण देव शुद्ध जान, करण कारण सब आपा।
तरण तारण गुरु आप है, समर्थ सनातन व्यापा॥
केवल हरि गुरु एक है, व्यापक आठोयाम।
"रामप्रकाश" गुरुदेव को, है प्रणाम श्री राम॥१०॥
सिद्ध तारे तन आपणो, सन्त उद्धारे देश।
भूमि पवितर सन्तदास, सन्त चरण परवेश॥११॥
धर्म न अर्थ न काम रुचि, गति न चहों निर्वान।
जनम जनम रति राम पद, यह वरदान न आन॥१२॥

सद्गुरु महाराज की जय

आचार्य पीठ सायं समय की नित्य आरती

निशिदिन संत परम पद जोई, आरती करे सो केवल होई।टेर॥
पहली आरती सतगुरु सेवा, तन मन भेंट धरूँ सिर देवा।
दूजी आरती रसना गाया, जल पलटाय अमी रस पाया॥१॥ निशिदिन...
तीजी आरती कण्ठ में वासा, भ्रम कर्म व्यापे नहीं आसा।
चौथी आरती हृदय हुलासा, रेण मिटी हुआ प्रकाशा॥२॥ निशिदिन...
पाँचवी आरती नाभि गुंजासा, अष्ट कली पर भंवर विलासा।
छट्ठी आरती पश्चिम दिशा सूं, दे परिक्रमा शीश नमासूं॥३॥ निशिदिन...
सातवीं आरती त्रिकूटी में वासा, झिलमिल ज्योति हुआ प्रकाशा।
आठवीं आरती गगन घुराणा, अमी वर्षाय स्नान कराणा॥४॥ निशिदिन...
नवमीं आरती नौ दरवाजा, खिड़की बन्द करे सोई राजा।
दशमी आरती दशवें द्वारे, अरस परस मिले राम पियारे॥५॥ निशिदिन...
ग्यारहवीं आरती परम प्रकाशा, रूप वर्ण बिन नाम निराशा।
बारहवीं आरती ब्रह्म विलासा, संत (कह) हरिराम निर्भय घर वासा॥६॥ निशिदिन....

मन पवना पहुँचे नहीं, सुरता करत हुलास।
हरिराम कर वन्दना, ब्रह्म ज्योति प्रकाश॥१॥

अनन्त श्री रामजी महाराज की जय। चार सम्प्रदाय बावन द्वारा की जय। चार धाम सप्तपुरी की जय।
अनन्त श्री स्वामी रामानन्दाचार्य भगवान् की जय। सर्वश्री स्वामी अग्रदासजी महाराज की जय।
अनन्त श्री स्वामी नाभादासजी महाराज की जय। श्री स्वामी सन्तदासजी महाराज की जय।
श्री स्वामी हरिरामजी महाराज की जय। श्री स्वामी जीयारामजी महाराज की जय।
श्री स्वामी सुखरामजी महाराज की जय। श्री स्वामी अचलरामजी महाराज की जय।
श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज की जय। जागती ज्योति स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज की जय।
अनन्त सन्त महात्माओं की जय। सद्गुरु महाराज की जय।

श्री रामचन्द्र कृपालू भज मन हरण भव भय दारूणम्। नव कंज लोचन कंज मुख कर कंज पद कंजारूणम्।
कन्दर्प अगणित अमित छवि नव नील नीरज सुन्दरम्। पट पीत मानहु तड़ित रुचि शुचि नौमि जनक सुता वरम्
भजु दीनबन्धु दिनेश दानव दैत्यवंश निकन्दनम्। रघुनन्द आनन्द कन्द कौशल चन्द दशरथ नन्दनम्
सिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदार अंग विभूषणम्। आजानुभुज शर चाप धर संग्रामजित खर दूषणम्
इति वदति तुलसीदास शंकर शेष मुनि मन रंजनम्। मम हृदयकंज निवास कुरु कामादि खल दल गंजनम्

श्री सम्प्रदाय के श्रीकीर्ति ध्वज परम आचार्यश्री

संक्षिप्त श्री वैष्णवाचार्य प्रधानाचार्य श्री गुरु परम्परा परिचय

सीताकान्त-समारम्भां श्रीरामानन्दाचार्य-मध्यमाम्।
अस्मदाचार्य (उत्तमरामाचार्य) पर्यन्तां वन्देऽहं गुरुपरम्पराम्॥

श्री मयार्दापुरुषोत्तम परात्पर सर्वज्ञ पूर्णब्रह्म श्रीरामजी

साकेत प्रधान लोकलीला सम्पादनार्थ त्रेतायुग के रघु संवत् में चैत्र शुक्ल श्री रामनवमी को अवतरण। श्री अयोध्याजी में प्रादुर्भाव। **पिता**-श्री दशरथजी, **माता**-श्रीमती कौशल्या देवी। **उपदेश**-(१) श्री रामगीता, (२) श्री राजधर्म प्रश्नावली आदि।

''**ममैवांशो जगत्यस्मिन् प्रतिलोकमवस्थिताः**
तत्तगुणाधिपतयो ब्रह्मविष्णुकपर्दिनः॥''—स्कन्दपुराण श्रीरामसीता नित्य स्वरूप

नोट— पूर्वात्पर परम्परा के लिए दृष्टव्य ''**आचार्य सुबोध चरितामृत**'' लेखक- स्वामी रामप्रकाशाचार्य 'अच्युत', ११८ पीढ़ी श्री सम्प्रदाय शोधग्रन्थ।

श्री जगज्जननी श्री जानकी (सीताजी)

लोकलीला सम्पादनार्थ **प्रादुर्भाव**-त्रेतायुगस्थ वैशाख शुक्ल नवमी, जनकपुर धर्मान्तर्गत सीतामढ़ी (वर्तमान बिहार में)। **पिता**-मिथिलापति श्री जनकराज सीरध्वज, **माता**-श्रीमती सुनयनाजी। **उपदेश**-(१) मैथिलीमहोपनिषद्, (२) श्री सीतारामाभेदः, (३) दीनवात्सल्य आदि।

राम एव परं ब्रह्म राम एव परंतपः। राम एव परं तत्त्वं श्री रामो ब्रह्मतारकम्॥
सर्वेश्वरो यथा चाहं रामः सर्वेश्वरस्तथा। षड्गुणो भगवान् रामः षड्गुणाहं स्वभावतः॥

श्वगुरु परम प्रभु श्री हनुमन्तलालजी (वज्रांगी, बजरंगबली) महावीर हनुमान्

आविर्भाव-कार्तिक कृष्णा १४ त्रेतायुगस्थ, मतान्तर में—चैत्र वदि १४, **तिरोभाव**-चिरंजीव, **जन्मस्थल**-कांचनगिरि, **ता**-श्री केशरी जी, **माता**-श्री अंजनादेवी जी, **सद्गुरु**-सर्वेश्वरी श्री जानकी जी, **विद्यागुरु**-सूर्यनारायण, **आशीर्वाद**-पवन, **अवतार**-रुद्र, **उपदेश**-(१) श्री रामोपनिषद्, (२) श्री सीताष्टाक्षर स्तोत्र, (३) श्री रामतत्त्वम् (४) श्री रामसीतास्तवः। **कृति**-हनुमान्नाटक।

श्व रचयिता श्री जगद्गुरु ब्रह्माजी

ष्टिकाल के प्रारम्भकाल श्री विष्णु के नाभि कमलाग्रभाग में आविर्भाव, **तिरोभाव**-अतिमहाप्रलयान्त। **पिता**-श्री ष्णुजी का संकल्प, **सद्गुरु**-हनुमानजी, **उपदेश**-(१) बृहद् ब्रह्म संहिता, (२) आर्ष श्री रामस्तवः श्री रामगीता र्गत् ब्रह्मकृत श्री रामस्तव, (३) ब्रह्म सिद्धान्त संग्रह, (४) अभ्युदायिकौर्ध्व दैहिक स्तोत्र, (५) गायत्री कवच,) मारुति वन्दनम्, (७) त्रैलोक्य मोहन श्री राम कवच, (८) श्री सीतोपनिषदादि।

द्गुरु श्रेष्ठ पद रत्नाकर आद्य महर्षि श्री वसिष्ठजी महाराज 'चिरायु'

र्भाव-त्रेतायुगस्थ ऋषि पंचमी (भाद्रपद शुक्ल) सत्ययुग, **जन्मस्थान**-ब्रह्मलोक, **पिताश्री**-ब्रह्माजी, **तिरोभाव**-लय, **सद्गुरु**-ब्रह्मदेव, **कृतियां**-(१)वसिष्ठ संहिता (पांचरात्र), (२) वसिष्ठ संहिता (ज्योतिष), (३) वसि न्त (ज्योतिष), (४) धनुर्वेद संहिता (नीति), (५) श्री सीतारामस्तव, (६) आश्रम धर्म निरुपण, (७ र श्रीरामधाम वर्णन, (८) सन्ध्योपासन विधि, (९) वसिष्ठ हवन पद्धति, (१०) वसिष्ठ स्मृति आदि।

६. **जगद्गुरु महर्षि पाराशर जी महाराज**

आविर्भाव-द्वापर आश्विन शुक्ल पूर्णिमा, वसिष्ठ काल (सत्ययुग), **जन्म स्थल**-वसिष्ठाश्रम, **पिता**-श्री शक्तिदेवजी, **माता** -श्री अदृश्यन्तीजी, **तिरोभाव**-प्रलय (चिरंजीव), **सद्गुरु**-वसिष्ठजी, **कृतियां** - (१) बृहद् पाराशर होरा शास्त्र, (२) बृहद् पाराशरीय धर्म संहिता, (३) लघु पाराशरी, (४) पाराशर स्मृति, (५) पाराशरोदित वास्तु शास्त्र, (६) पाराशरोदित नीतिशास्त्र, (७) पाराशर संहिता, (८) पाराशर पुराण, (९) विष्णु महापुराण (पुराण रत्न), (१०) पाराशर गीता, (११) ऋग्वेद के १०५ मन्त्रों के द्रष्टा।

७. **जगद्गुरु महर्षि वेदव्यास जी महाराज**

आविर्भाव-द्वापुर युगस्थ आषाढ़ शुक्ल गुरु पूर्णिमा (व्यास पूर्णिमा), **जन्म स्थल**-कालपी (उ.प्र.), **पिता**-श्री महर्षि पाराशर देव, **माता**-योजनगन्धा (सत्यवती), **सद्गुरु**-श्री पाराशरजी, **तिरोहित**-आषाढ़ सुदि १५, मतान्तर में-चिरंजीव, **रचित कृतियां**-(१) ऋग्, यजु, साम्, अथर्व के नामोचित वेद का वर्गीकरण, (२) महाभारत नामक ऐतिहासिक महाकाव्य अनतर्गत श्रीमद्भगवद् गीता, (३) भागवतादि अष्टादश महापुराण, (४) ब्रह्मसूत्र (वेदान्त) उत्तरमीमांसा, (५) श्री मद्भगवद्गीता (सुखसागर) का वर्गीकरण वृहदाकार, (६) व्यास स्मृत्यादि।

८. **जगद्गुरु महर्षि विरक्तशिरोमणि योगसिद्ध श्री शुकदेवाचार्य जी महाराज**

आविर्भाव-द्वापरयुगस्थ, श्रावण शुक्ल पूर्णिमा (रक्षा बंधन), **पिता**-श्री व्यासदेवजी, **माता**-श्री पिंगलादेवी (शुकी), **सद्गुरु**-श्री व्यासदेवजी, **तिरोभाव**-चिरंजीव, **कृतियां**-(१) भागवत पुराण में द्वितीय स्कन्ध का पुरुष संस्थान वर्णनम्, (२) स्कन्द पुराण में श्री रामगीता, (३) शुकदेवाख्यान श्री मद्भागवत (शुकसागर) इत्यादि।

९. **जगद्गुरु श्री स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी (महर्षि बोधायन जी)**

आविर्भाव - विक्रम पूर्व ५६९ युधिष्ठिर संवत् पौष कृष्णा १२, **जन्मस्थल**-बोधायन सर-मिथिला, **पिता**-श्री शंकरदत्तजी, **माता**-श्री चारुमतिजी, **सद्गुरु**-शुकदेवाचार्य जी महाराज, **तिरोभाव**-विक्रम पूर्व ३२० पौष वदि १२ **कृतियां**-(१) वेद रहस्य, (२) श्री पुरुषोत्तम प्रपत्ति (प्रपत्ति षट्कर्म), (३) श्री बोधायन गीता, (४) श्री रामाय रहस्य, (५) सप्तकाण्डार्थ सप्तकम्, (६) श्री गायत्री रामायणम्, (७) श्री रामायणसार, (८) श्री बोधायन ध शास्त्र, (९) गृह्यसूत्र, (१०) धर्म सूत्र, (११) सभी मीमांसा में श्री बोधायन वृत्ति आदि।

१०. **जगद्गुरु श्री स्वामी गंगाधराचार्य जी महाराज**

आविर्भाव-विक्रम पूर्व ४८९ माघ कृष्णा ११, **तिरोभाव**-विक्रम पूर्व २८९, **जन्मस्थल**-प्रतिष्ठानपुर (प्रयाग **पिता**-श्री रामनारायण शुक्ल, **माता**-श्री कमलादेवी, **सद्गुरु**-श्री पुरुषोत्तमाचार्य जी, **प्रबन्ध कृति**-(१) सा दीपिका, (२) अनन्यता वेदनम्, (३) श्री राम भगवत्वम्, (४) स्वरूप सप्तकम्, (५) रहस्यार्थ चतुष्टयम्, (श्री रामस्तव कलानिधिः, (७) श्री बोधायन चतुः श्लोकी, (८) श्री शुकार्य मतदीपिका प्रभृत्य।

१. **जगद्गुरु श्री सदानन्दाचार्य जी महाराज**

आविर्भाव-विक्रम पूर्व ३३७ माघ शुक्ल ५ श्री पंचमी, **तिरोभाव**-विक्रम पूर्व ८० युधिष्ठिर संवत्, माघ सु वसन्त पंचमी, **जनमस्थल**-मयरथ (गढ़ मुक्तेश्वर), **पिता**-श्री दशरथरामजी, **माता**-श्री मरालिका देवजी, **सद्** जगद्गुरु श्री गंगाधराचार्यजी, **प्रबन्ध**-(१) श्री राघवांघ्रि वर्णनम्, (२) वेदान्त सारस्तवः, (३) श्री बोधायन पं (रचना) - श्री राम यज्ञ पद्धति आदि।

. **जगद्गुरु श्री स्वामी रामेश्वरानन्दाचार्य जी महाराज**

आविर्भाव-वि. सं. पूर्व ३६ युधिष्ठिर संवत्, वैशाख शुक्ल युगादि अक्षय तृतीया, **तिरोभाव**-वि. सं. २३६ शुक्ल ११, **जन्मस्थल** - कामदगिरि परिक्रमा के निकट एक गाँव, **पिता** - श्री कल्पनाथ मिश्र, **म** पद्मजादेवीजी, **सद्गुरु**-श्री सदानन्दाचार्यजी, **प्रबन्ध**-(१) श्री राम प्राप्ति पद्धति, (२) श्री सर्वेश्वर (३) सत्प्रबोधामृत, (४) प्रश्नोत्तरावलि आदि।

१३. जगद्गुरु श्री स्वामी द्वारानन्दाचार्य जी महाराज

आविर्भाव-वि. सं. १९६ फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा, **तिरोभाव**-वि. सं. ३७६ आषाढ़ शुक्ल ३, **जन्मस्थल**-सौराष्ट्र-द्वारिका, **पिता**-श्री हरिशंकरजी भट्ट, **माता**-श्री गोमतीदेवीजी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री रामेश्वरानन्दाचार्यजी, **प्रबन्ध**-(१) प्रश्नोत्तरावलि, (२) श्री रामचन्द्र दशक, (३) पाप वारक संग्रह, (४) पस्तत्त्व मीमांसा, (५) परिणाम विमर्श आदि

१४. जगद्गुरु श्री स्वामी देवानन्दाचार्य जीमहाराज

आविर्भाव-वि. सं. ३२६ वैशाख शुक्ल १०, **तिरोभाव**-वि. सं. ५२६ माघ पूर्णिमा, **जन्मस्थल**-प्रयाग, **पिता**-श्री मनमोहनजी तिवारी, **माता**-श्री मती सरस्वतीदेवी जी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री द्वारानन्दाचार्यजी महाराज, **प्रबन्ध**-(१) राघवाष्ठक, (२) सदाचार प्रदीपिका, (३) योग पंचक, (४) ब्रह्म लक्षण संस्तवः, (५) नमस्कार माल
कृति-श्री बोधायन वृत्तिसार (श्री प्रमिताक्षरावृत्ति) आदि।

१५. जगद्गुरु श्री स्वामी श्यामानन्दाचार्य जी महाराज

आविर्भाव-वि. सं. ४८६ आषाढ़ शुक्ल २, **तिरोभाव**-वि. सं. ६८६, **जन्मस्थल**-जगन्नाथपुरी, **पिता**-श्री दुर्गाचरणजी **माता**-श्री मती यशोदादेवी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री देवानन्दाचार्य जी महाराज, **प्रबन्ध**-(१) श्री नवरत्नी, (२) रघु पंचक, (३) श्री सीतास्तव, (४) श्रुति तात्पर्य निर्णय, (५) परभक्ति निरुपण, (६) प्रभाकर मत निरास, (७ मन्त्रराज रामायण आदि।

१६. जगद्गुरु श्री स्वामी श्रुतानन्दाचार्य जी महाराज

आविर्भाव-वि. सं. ६३६ श्रावण शुक्ल सप्तमी, **तिरोभाव**-वि. सं. ८३६, **जन्मस्थल**-अहिल्या स्थान कमतौ दरभंगा (बिहार), **पिता**-श्री सीताकान्तजी, **माता**-श्री मती कमलादेवीजी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री श्यामानन्दाचार्य जी **प्रबन्ध**-(१) श्रुति वेद्यस्तव, (२) श्रौत सिद्धान्त बिन्दु, (३) सर्व श्रुति समन्वय, (४) वेद विद्या समु (५) उपेयोपाय दर्पणादि।

१७. जगद्गुरु श्री स्वामी चिदानन्दाचार्य जी महाराज

आविर्भाव-वि. सं. ७४६ चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, **तिरोभाव**-वि. सं. ८९६, **जन्मस्थल**-चित्रकूट, **पिता**-श्री सोमभद्र **माता**-श्री मती मालतीदेवीजी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री श्रुतानन्दाचार्य जी, **प्रबन्ध**-(१) सच्चिदानन्द श्री रामष्ठकम्, (२) प्रतिबन्धक पंचकम्, (३) प्रमेयोद्देश भास्करः, (४) चिदात्म प्रबोध आदि।

कर्मपूतिर्भवेद् यस्य स्मरणात् कीर्तनात् तथा। वन्देऽहं सच्चिदानन्दं तं रामं सर्वसौख्यदम्॥

८. जगद्गुरु श्री स्वामी पूर्णानन्दाचार्य जी महाराज

आविर्भाव-वि. सं. ८६६ वैशाख कृष्णा १३, **तिरोभाव**-वि. सं. १०६७ वैशाख शुक्ल पूर्णिमा, **जन्मस्थ** अवन्तिका (उज्जैन), **पिता**-श्री गोविन्ददेवजी, **माता**-श्री मती नलिनीदेवी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री चिदानन्दाचार्य श्रीमठ - पीठ पंचगंगाघाट, काशी। **प्रबन्ध**-(१) श्री राम पंचक, (२) बोध नक्षत्र माला, (३) श्री रामभक्ति वि (४) मुक्ति मीमांसा, (५) मन्त्र रत्न रामायण, (६) बोधायन मतदर्शनादि।

. जगद्गुरु श्री स्वामी श्रियानन्दाचार्य जी महाराज

आविर्भाव-अज्ञात, **दीक्षा**-वि. सं. १०६६ वैशाख शुक्ल ९, **तिरोभाव**-वि. सं. १२०६, **जन्मस्थल**-जन **पिताश्री**-पशुपति उपाध्यायजी, **माताश्री**-गंगादेवजी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री पूर्णानन्दाचार्यजी, श्रीमठ - पीठ, पंचगंग वाराणसी, **प्रबन्ध**-(१) भक्ति चिन्तामणि, (२) श्रिय श्रियः प्रपत्ति षट्कम्, (३) हनुमदष्टकम्, (४) सि विजय, (५) प्रमिताक्षरावृत्तिसार, (६) श्रौत प्रमेय चन्द्रिका आदि।

२०. जगद्गुरु श्री स्वामी हर्य्यानन्दाचार्य जी महाराज ''श्री वैष्णवाचार्य''

आविर्भाव-वि. सं. ११५६ आषाढ़ शुक्ल ११, **तिरोभाव**-वि. सं. १३५६, **जन्मस्थल**-कर्णपुर, **पिताश्री**-रामकुमार अवस्थी, **माताश्री**-सरस्वती देवीजी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री श्रियानन्दाचार्यजी महाराज, आचार्य पीठ — पंच गंगाघाट, श्रीमठ काशी। **कृति**-(१) श्री सीताराम विंशति, (२) भगवत्समाश्रय, (३) प्रपत्र सर्वस्व, (४) सिद्धांत विंशति, (५) श्री रामार्थ रत्न मंजुषा (श्री रामार्थ विंशति), (६) चरम मन्त्र रामायण, (७) प्रमाण दीपिका आदि।

२१. जगद्गुरु श्री स्वामी राघवानन्दाचार्य जी महाराज ''श्री वैष्णवाचार्य''

आविर्भाव-वि. सं. १२०६ चैत्र शुक्ल ११, **तिरोभाव**-वि. सं. १३९६, **जन्मस्थल**-अयोध्याजी (वसिष्ठ कुण्ड), **पिताश्री**-अवधेश प्रसाद त्रिपाठी, **माताश्री**-अम्बिकादेवीजी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री हर्य्यानन्दाचार्य जी, आचार्यपीठ— पंचगंगा घाट, श्रीमठ काशी। **प्रबन्ध**-(१) श्री राघवेन्द्र मंगल माला, (२) श्री सीता मंगल माला, (३) श्रौत तत्त्व समुच्य, (४) श्री राघव प्राप्ति बोध, (५) वेद रहस्य भाष्य, (६) अनन्यता निवेदनम् आदि।

२२. जगद्गुरु श्री स्वामी रामानन्दाचार्य जी महाराज ''श्री परमाचार्य''

आविर्भाव-वि. सं. १३५६ माघ कृष्णा सप्तमी, **तिरोभाव**-वि. सं. १५३२ चैत्र शुक्ल रामनवमी, **जन्मस्थल**-प्रयागराज, **पिताश्री**-पुण्यसदनजी शर्मा, **माताश्री**-श्री मती सुशीलादेवीजी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री राघवानन्दाचार्य जी महाराज, आचार्य पीठ — श्रीमठ, पंचगंगाघाट, काशी। **प्रबन्ध**-(१) आनन्द भाष्य, (२) त्रय भाष्यकर्ता, (३) रामानन्द दिग्विजय भास्कर। **शिष्य-प्रशिष्य, द्वादश भागवत**-१. अनन्तानन्द जी, २. सुखानन्दजी, ३. सुरसुरानन्दजी, ४. नरहरियानन्दजी, ५. पीपाजी, ६. कबीर साहब, ७. भावानन्दजी, ८. सेनाजी, ९. धनाजी, १०. रविदास (रामदास या रैदासजी) जी, ११. गालवानन्दजी, १२. योगानन्दजी, १३. साध्वी पद्मावतीदेवीजी, १४. साध्वी सुरसरिदेवजी। जिन्होंने भारतवर्ष में मानवता के पाठ में श्रीवैष्णव धर्म का सिद्ध प्रचार-प्रसार किया और हिन्दू धर्म रक्षण किया।

''रामानन्दः स्वयं रामः प्रादुर्भूतो महीतले''

२३. जगद्गुरु श्री स्वामी अनन्तानन्दाचार्य जी महाराज ''श्री वैष्णव''

अवतरण-वि. सं. १३६३, कार्तिक शुक्ला ११ देवोत्थानी, **जन्मस्थल**-महेशपुर (उत्तरप्रदेश), **पिता**-श्री विश्वनाथमणि त्रिपाठी, **माताश्री**-पार्वतीदेवी, **सद्गुरु**-ज. गु. श्री स्वामी रामानन्दाचार्य जी, आचार्यपीठ — श्रीमठ पंच गंगाघाट, काशी। गद्दी-वि. सं. १५३२, **साकेत धाम**-वि. सं. १५४० देवोत्थानी ११, **कृति**-(१) श्री श्रुति सिद्धान्त भास्कर निर्णय, (२) सिद्धान्त दीपक, (३) सद्विद्यार्थ निर्णय, (४) अनन्त शिक्षामृत, (५) यतीन्द्रष्ठकादि।

२४. जगद्गुरु श्री स्वामी कृष्णपयाहारी (श्री कृष्णदासजी महाराज)

अवतरण-अज्ञात, गद्दी-वि. सं. १५४०, **साकेत**-वि. सं. १५४१, गलताधाम (जयपुर) पर अधिकार सिद्ध किया। राजस्थान में श्री वैष्णव परम्परा का प्रचार-प्रसार।

२५. जगद्गुरु श्री अग्रदेवाचार्य जी महाराज

अवतरण-वि. सं. १५५३ फाल्गुन शुक्ल ५। श्री रामभक्ति परम्परा में मध्यकालीन रसिक-मधुरोपासना के प्रवर्तकाचार्य एवं भक्त मालाकार श्री नाभादासजी के प्रेरणा स्रोत, रामानन्दीय चतुर्दश द्वारा गद्दियों की मूल पीठ, रैवासा धाम के संस्थापक, आपश्री की अनुभव गिरा (पद्यात्मक कुण्डलिया) मुख्य पीठ अग्रद्वार (रेवासा) से द्वाराचार्य श्री स्वामी राघवाचार्य जी महाराज द्वारा चतुः सम्प्रदाय दिगदर्शन, श्री आचार्य विजय आदि कई बृहत् साहित्य प्रकाशित है। अन्यान्य स्थानों से भी यत्र-तत्र कई आवृत्तियाँ प्रकाशित व उपलब्ध हैं। **प्रमुख रचनाएं**-(१) ध्यान मंजरी, (२) कुण्डलिया, (३) अग्रसागर, (४) अष्टयाम, (५) गुरु अष्टक, (६) प्रह्लाद चरित, (७) श्री सीताराम अष्टक, (८) श्री मैथिली शरणाष्ठकम्, (९) श्री राम प्रपत्ति, (१०) रामजेवनार, (११) विश्व ब्रह्मज्ञान, (१२) हनुमानाष्ठक, (१३) हरिनाम माला, (१४) हरि प्रियानाम माला, (१५) हरिनाम प्रताप जस, (१६) रहस्य त्रय,

३४. श्री स्वामी चतरदासजी (रामचतुरजी) महाराज (दॉन्तड़ा)

परिचय-आप केवलरामजी के वैवाहिक जीवन में सुपुत्र थे, बाद में आप वि. सं. १८८७ में गद्दी नशीन हुए तथा वि. सं. १८९० में साकेतवासी हो गये। आपके पुत्र जोगीराम जी काछोला निवासी तुलसीदासजी (नानाजी) के गोद गये और आपकी गद्दी पर दौलतरामजी (छोटे भाई) महन्त बने। **सद्गुरु**-श्री स्वामी केवलरामजी महाराज 'वैरागी'।

३५. श्री स्वामी दौलतरामजी महाराज (दॉन्तड़ा)

परिचय-आप केवलरामजी के पुत्र थे, वि. सं. १८९० में गद्दीधर महन्त हुए। वि. सं. १८६५ में आप का विवाह हुआ। घरेलू अन्तर्कलह, गृहस्थ पारिवारिक मतभेद के कारण विरक्त रूप से विचरण करने के उद्देश्य से दॉन्तड़ा पीठ का सर्वथा त्याग कर दिया। आपके गद्दी त्याग के आप मण्डल गढ जाकर रहे और इसके बाद दॉन्तड़ा गद्दी पर गृहस्थ गद्दी का प्रचलन रहा। **सद्गुरु**-श्री चतुरदासजी महाराज। **साकेत**-वि. सं. १९४५।

३६. श्री स्वामी गंगारामजी महाराज ''वैरागी'' (विरक्त भाव से विचरण एवं विरक्त गद्दी प्रवर्तक)

अवतरण-वि. सं. १८१० अनुमानतः, **जन्मस्थान**-माण्डलगढ़, **दीक्षा**-१८३२, **सद्गुरु**-श्री दौलतरामजी महाराज, **वन विचरण**-श्री राम आश्रम, चम्बल घाटी (कोटा) में समाधि धाम। अपने गुरुदेव श्री दौलतरामजी को बुलाकर शिरोपाँव पधरावणी करके वि. सं. १९२९ में जोधपुर की स्वतन्त्र विरक्त गद्दी स्थापन करके अपने परम शिष्य सन्त श्री हरिरामजी को श्रीमहन्त पद पर स्थापित करके आप भ्रमणशील विरक्तावस्था में चम्बल तट पर अपने पूर्व तपस्थली पर पधार गये।

३७. श्री स्वामी हरिरामजी महाराज ''वैरागी'' (जोधपुर अग्ररसिक वैरागी गद्दी के प्रथम पीठाधीश्वर)

अवतरण-भाटी क्षत्रिय परिवार में वि. सं. १८१२, **सद्गुरु**-श्री स्वामी गंगारामजी महाराज ''वैरागी'', **दीक्षा**-वि. सं. १८३७, **साकेत**-वि. सं. १९३३ चैत्र वदि २ सोमवार, ''हरिसागर'' एवं ''वाणी प्रकाश'' नामक ग्रन्थ में आपकी रचना मूल एवं टीका सहित उत्तम प्रकाशन जोधपुर द्वारा प्रकाशित एवं लोकार्पित होकर उपलब्ध है।

स्वामी दौलतरामजी के विरक्त काल में स्वामी गंगारामजी द्वारा सम्वत् १९२९ में जोधपुर की विरक्त गद्दी स्थापन द्वारा स्वामी हरिरामजी महाराज को प्रथम पीठाधीश्वर के रूप में गद्दी नशीनी हुई। तब से दॉन्तड़ा गृहस्थ गद्दी से जोधपुर का कोई साम्प्रदायिक सम्बन्ध नहीं रहा, यह गद्दी अग्रद्वाराधीन रही है और अब भी है। आपश्री जोधपुर महाराजा तखतसिंहजी द्वारा छड़ी एवं छत्र से शिरोपांव सम्मानित हुए। आपके ज्ञान दीक्षित सात शिष्यों में १.श्री जीयारामजी, २.श्री मुरलीधरजी, ३.श्री आतमारामजी, ४.श्री विश्वदेवजी (दूधाधारीजी), ५.श्री हीरालालजी, ६.श्री नेनूरामजी एवं ७.साध्वी मीराबाईजी हुए।

८. श्री स्वामी जीयारामजी महाराज ''वैरागी'' (जोधपुर श्रीवैष्णव गद्दी के द्वितीय पीठाधीश्वर)

अवतरण-वि. सं. १८१४ आषाढ शुक्ल १४, विश्वकर्मा वंशावली में सूत्रधार बरड़वा गौत्र में। **सद्गुरु**-श्री स्वामी हरिरामजी महाराज 'वैरागी', **दीक्षा**-वि. सं. १८३९, **साकेत**-१९५४ मार्गशीर्ष शुक्ला १२ रविवार। स्वामी रामप्रकाशाचार्य द्वारा 'साकेत शताब्दी' पर जीवन स्मारिका में गद्दी पीठ की आचार संहिता के साथ वाणी की टीका प्रस्तुत की गई। आपने जोधपुर में फतेहसागर के पास सद्गुरु महाराज के साथ रह कर वि.सं. १८२५ वैशाख शुक्ल ५ रविवार को एक आश्रम की स्थापना की जो 'आदर्श गुरुद्वार' के नाम से सद्गृहस्थों के अवैध ट्रस्ट अधीन बगैर किसी साधु-महन्त के अद्यावधि प्रसिद्ध है। आपने आजीवन यहीं पर प्रवास विहार किया। आप बालये नैष्ठिक ब्रह्मचारी थे, आपका अनुभव वचनामृत परम्परानुगत वि.सं. १९६४ के प्रथमावृत्ति से अद्यावधि पर्यन्त मूल व गुरु सम्प्रदाय के वाणी प्रकाश नामक ग्रन्थ में मूल व टीका प्रकाशित और उपलब्ध है। आपके नामलिवारी शि में प्रसिद्ध श्री सुखरामजी, श्री बनानाथजी एवं साध्वी नौजरामजी हुए।

संवत् उगणीसे चौपने, श्री स्वामी जीयाराम। मिगसर सुदि सूरज दिने, कियो परम पद धाम।।
पचावन वैशाख सुदि, तिथि सुरज सु नाम। नौजराम सुखराम मिलि, कियो प्रतिष्ठा काम।।

—सौजन्य श्री समाधि चरण पादुका स्थल (कागा) शिलाले

३९. श्री स्वामी सुखरामजी महाराज ''वैरागी'' (जोधपुर श्रीवैष्णव गद्दी के तृतीय पीठाधीश्वर)

अवतरण-वि. सं. १८६८, **पिताश्री**-हरनारायण जी जलवाणिया, **माताश्री**-श्री मती रुक्मादेवी, **जन्मस्थान**-रोल काजियान (नागौर), **सद्गुरु**-श्री स्वामी जीयारामजी महाराज ''वैरागी'', **गुरुदीक्षा**-वि. सं. १८८९, जोधपुर के तत्कालीन महाराजा जसवन्तसिंहजी की महाराणी हाडी के सद्गुरु रहने के कारण उन्होंने सूरसागर में पहाड़ी पर स्थान बना कर दिया जो अद्यावधि 'टांका' के नाम से दर्शनीय है। **निर्वाण**-१९५९ फाल्गुन वदि ४ रविवार। वाणी प्रकाश (छः महात्मा वाणी) ग्रन्थ में आपकी वाणी पूर्व लोकार्पित प्रसिद्ध है। आपके मूल चौरासी पद की ''अचलोत्तम ज्ञान पीयूष वर्षिणी टीका'' का बृहद् ग्रन्थ श्री उत्तम वाणी प्रकाश अर्थात् सुखराम दर्पण एवं परिशिष्ट भाग में आध्यात्मिक सन्तवाणी शब्दकोश के साथ सुखराम साकेत शताब्दी स्मारिका आदि ग्रन्थों का साकेत शताब्दी (वि.सं. २०५९) समारोह पर श्री अग्रद्वाराचार्य श्री स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के करकमलों से लोकार्पित है। आपकी प्रश्नोत्तर कृति, टीका अचलराम सैलाणी में एवं अवधूत शब्दार्थ गीता एवं उपदेश पंचक की टीकाएं प्रकाशित हैं। टीकाकार स्वामी रामप्रकाशाचार्य ''अच्युत'', उत्तमप्रकाशनाधिकार से उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) जोधपुर में उपलब्ध है। आपकी समाधि टांका एवं फूल समाधि कागा में दर्शनीय है। आपके नाम लिवारी भेष दीक्षित शिष्यों में क्रमशः १. अचलरामजी, २. सेवारामजी, ३. भाणीरामजी, ४. भगवानदासजी (बड़ा), ५. किसनदासजी, ६. ईशररामजी, ७. हरलालरामजी और ८. साध्वी चतुरीबाईजी प्रसिद्ध हुए। कतिपय समाधियाँ कागा में है।

४०. श्री स्वामी अचलरामजी महाराज ''वैरागी'' (जोधपुर श्रीगूदड़ गद्दी के चतुर्थ पीठाधीश्वर)

अवतरण-वि. सं. १९२८, **पिता**-श्री पोकररामजी कच्छवाहा, **माता**-श्री मती रामादेवी, **सद्गुरु**-श्री स्वामी सुखरामजी महाराज ''वैरागी'', **गुरुदीक्षा**-वि. सं. १९५४ आषाढ़ सुदि १४, **विरक्त भेष-दीक्षा**-वि. सं. १९५८ आषाढ़ सुदि १४। **निर्वाण**-वि. सं. १९९९ द्वितीय ज्येष्ठ वदि ७ शुक्रवार, आपके कई रचना ग्रन्थ — अचलराम भजन प्रकाश, हिन्दू धर्म रहस्य, सन्ध्या विज्ञान, सुगम चिकित्सा (दो भाग) आदि पूर्व लोकार्पित सभी ग्रन्थ उत्तम प्रकाशन, कागामार्ग, जोधपुर से उपलब्ध है। आपके भेष दीक्षित चार शिष्यों का उल्लेख — आपके शिष्य स्वामी दयारामजी की कृति स्वामी अचलनारायण जी द्वारा वि.सं. २०१९ (१९६२ ई.) अचलराम भजन प्रकाश चतुर्थावृति से अद्यावधि लगातार प्रकाशित द्वारा स्पष्ट होता है। श्री फूलरामजी, श्री उत्तमरामजी, श्री अचलनारायण जी एवं श्री दयारामजी आपके प्रसिद्ध शिष्य हुए। आपके भजनों की 'अचलोत्तम ज्ञान पीयूष वर्षिणी टीका' नाम से सविस्तृत अनव्यार्थ टीका में 'अचलराम ग्रन्थावली' प्रथम भाग ४०, द्वितीय भाग ६८, तृतीय भाग ५५ इस प्रकार कुल १६३ भजनों की टीका प्रकाशित एवं उपलब्ध है तथा चतुर्थ भाग प्रकाशनाधीन है। आपकी गद्दी पर कुछ काल तक अचलनारायणजी महाराज रहे थे।

४१. श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज 'वैरागी' (जोधपुर विरक्त वैष्णव गद्दी जोधपुर के पंचम पीठाधीश्वर)

अवतरण-वि. सं. १९२६ रामनवमी, **पिता**-श्री मीठारामजी गाडी, **माता**-श्रीमती खातुदेवी, **जन्मस्थली**-मदासर गाँव (जैसलमेर), **दीक्षा गुरु**-स्वामी हरिरामजी के शिष्य श्री विश्वदेवजी से नामदान, वि. सं. १९४५, **सद्गुरु**-श्रीस्वामी अचलरामजी महाराज, **गुरुदीक्षा**-वि. सं. १९६०, **भेष दीक्षा**-१९६४, ज्येष्ठ सुदि महेश नवमी, **निर्वाण**-वि. सं. २०३४ आषाढ़ सुदि सूर्यनवमी। **कृति**-उत्तमराम भजन प्रकाश एवं अवधूत ज्ञान चिन्तामणि (दो ग्रन्थों में) आपकी रचना पूर्व प्रकाशित एवं लोकार्पित/उपलब्ध प्राप्य है। आपके नामलिवारी १८ शिष्य विद्वान् एवं प्रसिद्ध हुए।

. श्री स्वामी रामप्रकाशाचार्यजी महाराज (जोधपुर गूदड़ गद्दी के षष्ठम पीठाधीश्वर)

अवतरण-जन्म स्थान अविभाजित भारत, मीरपुरखास सिंध, तत्कालीन जिला थरपारकर, **दैहिक जन्म**-वि.सं. 1987, **सद्गुरु**-श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज 'वैरागी', **गुरु दीक्षा (आध्यात्मिक जन्म)**-वि.सं. 1992, **गद्दी नशीनी**-वि.सं. 2034, शताधिक्य सत्साहित्यक ग्रन्थों के रचयिता, कई ग्रन्थों के सम्पादक, टीकाकार एवं प्रकाशक–प्रचारक। कई ग्रन्थ लोकार्पित एवं शिक्षा विभाग, राजस्थान शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त है।

आप वर्गविहीन समाज के समर्थक, हिन्दू (सनातन) धर्म में भ्रामिक धारणाओं के विरुद्ध संघर्षरत, निष्पक्ष, सत्यवक्ता, संशयरहित, सर्वधर्मशास्त्र निष्णात, कई भाषाओं के ज्ञाता एवं कई मानद एवं शास्त्रविद् उपाधियों से सम्मानित निरभिमानी सन्त है। अपने सामयिक बाधक प्रवृत्तियों में संघर्ष की परिस्थितियों में आदर्श गुरुद्वार साम्प्रदायिक सम्पत्ति (गद्दी) पर अनधिकृत कब्जा करने वाले काल्पनिक प्रन्यास को न्यायिक प्रक्रिया विधि से अवैध घोषित करार दिया गया है। इससे श्रीवैष्णव विरक्त गूदड़ गद्दी के वैरागी आश्रम को स्वाधिकारिता से जीवित रहने की प्रक्रिया वि.सं. २०४७ ज्येष्ठ सुदी ९-१० (१९९० ई.) में श्रीमठ काशी एवं रेवासापीठ से छड़ी, छत्र, चंवर की गद्दी गरीमा प्राप्त होने में सार्थकता के साथ सम्पन्न हुई और गुरु गद्दी-साहित्य प्रकाशन सहित स्वाधिकार प्राप्त किये। पूर्वाचार्य श्री स्वामी केवलरामजी के शिष्य श्री स्वामी गंगादास जी द्वारा गृहस्थ गद्दी का बहिष्कार एवं श्रीवैष्णव विरक्त गूदड़ गद्दी (जोधपुर) का पुनर्स्थापना की मान्यतापूर्वक धर्म-सम्प्रदाय विधान प्रकल्पन किया। भारतवर्ष के उत्कर्ष में प्राचीन से अर्वाचीन/अद्यतन समाज को धर्म प्रचार आचार-संहिता का विशाल सत्साहित्य भण्डार श्रीवैष्णव सम्प्रदाय के महापुरुष आचार्यगण से मिला है। उतना किसी भी सक्षम परम्परा ने नहीं दिया। इसका परिचय दर्शन पूर्वात्पर गुरु प्रणाली के इंगित से स्पष्टतः अवगत होता है। श्रीवैष्णव धर्म सम्प्रदाय के विराट स्वरूप में सन्त निखिल शास्त्र निष्णात, समय के युगपुरुष, त्रिकालदर्शी, साहित्यकार, वेदान्त मार्तण्ड महापुरुष हुए हैं। उन्हीं की शिष्य शाखा-परम्पराएँ अद्यावधि उनके सैद्धान्तिक पद चिह्नों का अनुकरण करते हुए जन-कल्याण भावनाएँ संजो रहे हैं।

सनातन धर्म के अनुयायी पिछड़े/दलित वर्ग के और कृषक/मजदूर इत्यादि ग्रामीण शिक्षित हो या अशिक्षित, किन्तु सभी के कण्ठाग्र विचारानुगत कर्त्तव्य पारायणता कर्म सात्विकता, योगमार्गीय उपासना, पूजा-पाठ अथवा गूढ़ उपनिषद् तत्त्व का परमार्थ बोध मुख से जो बोला जाता है। उनका सारा श्रेय सन्त महापुरुषों की सरल, पद्यात्मक भाषानुवाद में कथित बोलचाल की भाषा का काव्य ही है, जो आज के शिक्षित वर्ग के समझने में सरल नहीं है। ऐसी सन्त वाणी में युगपुरुष स्वामी सुखरामजी महाराज कृत परम गूढ़ भाव से अनुभव स्रोत में चौरासी भजनों को 'अचलोत्तम ज्ञान पीयूष वर्षणी' टीका द्वारा समझाया है, जो अज्ञ तज्ञ वृतानुवृत्ति के सभी प्रेमीजनों की सुलभता का विषय-वाद है। सटीक 'अचलराम ग्रन्थावली' (चार भाग), हरिसागर टीका एवं सुबोध टीका दर्पण इत्यादि गुरु साहित्य तथा 'लाख वर्षीय कैलेण्डर', 'पिंगल रहस्य' (छन्द शास्त्र का अपूर्व ग्रन्थ), 'आचार्य सुबोध चरितामृत' (सम्प्रदाय का शोध ग्रन्थ), भारतीय समाज दर्शन, नशा खण्डन दर्पण, रामप्रकाश शब्द सुधाकर, रामप्रकाश भजन प्रभाकर, कामधेनु, ज्योतिष दोहावली, रामप्रकाश शब्दावली, भारत के व्यास आदि शताधिक सम्पादित, टीकाएँ एवं रचना ग्रन्थ प्रसिद्ध हैं।

पुरस्कार व सम्मान—

(1) मानद 'स्वतंत्रता सेनानी', (2) राजस्थान राज्यपाल द्वारा सामाजिक-साहित्यिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये 'डॉ. अम्बेडकर सम्मान, (3) जोधपुर नगर निगम द्वारा 'जोधपुर गौरव', (4) 'मेघ-मार्तण्ड', (5) 'समाज शिरोमणि', (6) 'छन्द-विशेषज्ञ', (7) 'ज्योतिष वराह मिहिर', (8) 'कला आराधक' आदि।

शैक्षणिक योग्यता—

(1) 'तर्कवागीश', (2) 'आयुर्वेद-रत्न', (3) 'साहित्य-शास्त्री', (4) 'साहित्याचार्य', (5) 'कविभूषण', (6) 'विद्यावाचस्पति', (7) 'रामायणाचार्य', (8) 'धर्मवारिधि', (9) 'R.M.P.' आदि।

उत्तम आश्रम भविष्य निधि की सुरक्षा के लिये आजीवन संरक्षक सदस्य

श्री वैष्णव आद्याचार्य जगद्गुरु रामानन्दाचार्यजी महाराज की गुरु-शिष्य वैरागी सन्त परम्परा के अन्तर्गत अग्रद्वा स्तम्भ सन्तदासोत गुरु गद्दी उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) जोधपुर के महन्त द्वारा स्वार्जित निजी सम्पत्ति की सुरक्षा हे एक आस्थावान वर्गविहीन श्रद्धालू उपासकों के उपासना हेतु धार्मिक ट्रस्ट (प्रन्यास) गठित करके श्री महन्त स्वत्वाधिकार की मर्यादा का स्थायित्व बनाया है। इसके संरक्षक सदस्यों की अमर सेवा शुल्क द्वारा चल-अचल सम्पि के रख-रखाव एवं परोपकार वृत्ति से परमार्थ सेवा, पूजा-प्रसाद व्यवस्था का संचालन किया गया है। आप भी अप आस्था जगाएं और सदा के लिए एक दिन में एक समय की आरती-पूजा, प्रसाद, सेवा में भाग ले सकते हैं। सम की माँग-महँगाई के दौर में आश्रम खर्च में बढ़ोतरी के कारण सदस्यों की सेवा को वृद्धिस्तर करते प्रातः/सायं दो स में कर दी गई है। नये सदस्यों को सायंकाल की पूजा-आरती का सेवा समय मिलेगा। अद्यतन जो अजस्र-अमर से के आजीवन संरक्षक सदस्य अपनी सेवा दे रहे हैं, उनकी नामावली प्रस्तुत की जा रही है। इन सदस्यों के अतिरि किसी भी जाति, व्यक्ति, समाज को आश्रम सम्बन्धी कार्य में परामर्श देने, कार्य अनुशंसा, समीक्षा करने, करवाने व कोई प्रकार से कुछ भी अधिकार नहीं है, न रहा है और न रहेगा।

व्यवस्थापक - (प्रन्यासकर्ता) सन्त रामप्रकाशाचार्य "अच्युत" स्वत्वाधिकारी श्रीमह

क्रमांक	नाम मय पिता, गोत्र	संक्षिप्त पता	वार्षिक सेवा दिव
१.	चन्दनाराम/श्री मूलारामजी जोगचण्ड	V.P.O. डेलासर, वाया लाठी, जैसलमेर	चैत्र सुदि १ प्रातः
२.	भगवानाराम(अध्यापक)/ श्री गुल्लाराम इणखिया	V.P.O. झोरड़ा, जोधियासी-३४१०२३	चैत्र सुदि १ सायं
३.	ईश्वरदेव वर्मा/श्री चन्द्रारामजी तालनिया	उत्तरादा मोहल्ला, रामगढ़ शेखावाटी	चैत्र सुदि २ प्रातः
४.	सुगनाराम (अध्यापक)/श्री नेनूरामजी गेहडवाल	V.P.O. श्यामसर वाया जोधियासी	चैत्र सुदि २ सायं
५.	मोहनलाल बारुपाल/श्री जोधारामजी बारुपाल	बारुपाल भवन, पो. चांधन-३४५०२१	चैत्र सुदि ३ प्रातः
६.	मांगीलाल सुथार/श्री हरिरामजी सलूण	V.P.O. दईयांकोयर, वाया पीलवा-३४२३०१	चैत्र सुदि ३ सायं
७.	मूलाराम/श्री ठाकुररामजी लोहिया	P.O. कालियां, श्रीगंगानगर-३३५००१	चैत्र सुदि ४ प्रातः
८.	पूनाराम सुथार/श्री हरिरामजी सलूण	V.P.O. जालोड़ा, फलोदी-३४२३०१	चैत्र सुदि ४ सायं
९.	दुर्गादत्त बांगड़ी/श्री नन्दारामजी बांगड़ी	ओमप्रकाश क्लॉथ स्टोर, चुरू	चैत्र सुदि ५ प्रातः
१०.	राणाराम सुथार/श्री नैणारामजी जोपिंग	P.O. पोकरण-३४५०२१, हाल-लातूर	चैत्र सुदि ५ सायं
११.	सीताराम महीचा/श्री नारायणरामजी	फतेहपुर शेखावाटी-३३२३०१	चैत्र सुदि ६ प्रातः
१२.	केशूराम सुथार/श्री उर्जारामजी भदरेचा	V.P.O. चौड़िया-३४१०२५ (नागौर)	चैत्र सुदि ६ सायं
१३.	बिहारीलाल/श्री किशनारामजी गोसांईवाल	विजलीघर के पास, नागौरीगेट, जोधपुर	चैत्र सुदि ७ प्रातः
१४.	बगताराम सुथार/श्री मोडारामजी कुलरिया	V.P.O. दासानिया-३४२०२५ (शेरगढ़)	चैत्र सुदि ७ सायं
१५.	बलदेवकुमार कोडेचा/श्री धीराराम कोडेचा	कोडेचा निवास, बायतु पन्नजी-३४४०३४	चैत्र सुदि ८ प्रात
१६.	भँवरलाल सुथार/श्री रामकिशनजी बरड़वा	V.P.O. दईयाँकोंयर, तह-फलौदी	चैत्र सुदि ८ साय
१७.	मोहनराम झूरिया/श्री भागीरथरामजी	V.P.O. छोटी खाटू (नागौर) ३४१३०२	चैत्र सुदि ९ प्रात
१८.	देवाराम सुथार/श्री चनणारामजी माकड़	V.P.O. चैराई (ओसियां) ३४२३०६	चैत्र सुदि ९ साय
१९.	विरदाराम माधव/श्री जस्सारामजी माधव	P.O. कोलीवाड़ा, सुमेरपुर-३०६९०२	चैत्र सुदि १० प्र

क्रमांक नाम मय पिता, गोत्र	संक्षिप्त पता	वार्षिक सेवा दिन
२००. विनोदकुमार धौलपुरिया/श्री रामचन्द्रजी	सिंधी जटिया कॉलोनी, जोधपुर ३४२००१	आषाढ़ सुदि १० प्रातः
२०१. गोवर्धनलाल बसेर/स्व.श्री मघारामजी बसेर	चारनाळी नाऊ, राजास, सीकर-३३२३११	आषाढ़ सुदि १० सायं
२०२. गोपाराम बुनकर/श्री आसुरामजी जोगल	भाखरी वाला बास, समदड़ी-३४४०२१	आषाढ़ सुदि ११ प्रातः
२०३ श्रीमती कमलादेवी कड़ेला/श्री कुशालाराम	एकतानगर, बनाड़रोड, जोधपुर-३४२०२७	आषाढ़ सुदि ११ प्रातः
२०४. जजेन्द्रकुमार शर्मा/श्री रामचन्द्रजी कुलरिया	न्यू पीलवा हाउस, जोधपुर ३४२००१	आषाढ़ सुदि १२ प्रातः
२०५. गोपालभाई महेन्द्र खीची/श्री आईदानजी	खीची टेंट हाऊस, कागारोड़, जोधपुर	आषाढ़ सुदि १२ सायं
२०६. सुखरामजी बरड़वा/श्री हेमारामजी बरड़वा	दईयाकौर, पीलवा-३४२३०९	आषाढ़ सुदि १३ प्रातः
२०७. पुखराज जोगचण्ड/श्री गोरखरामजी जोगचण्ड	तीसरी पोल, महामंदिर, जोधपुर	आषाढ़ सुदि १३ सायं
२०८. स्वामी रामप्रकाशाचार्य/स्वामी उत्तमरामजी वैष्णव	उत्तम आश्रम, कागरोड, जोधपुर	आषाढ़ सुदि १४
२०९. फूलाराम पोरवाल/श्री मूपारामजी पूनड़	पाली बस स्टेंड, सुमेरपुर-३०६९०२	आषाढ़ पूर्णिमा प्रातः
२१०. कुशालराम कड़ेला/ श्री रामूरामजी	एकता नगर, बनाड़ रोड, जोधपुर	आषाढ़ पूर्णिमा सायं
२११. ओमप्रकाश एडवोकेट/श्री गोविंदरामजी बालोटिया	सिंधी जटिया कॉलोनी, जोधपुर ३४२००१	श्रावण वदि १ प्रातः
२१२. हरिदास श्री लालूराम चेला श्रीरामप्रकाशाचार्य	८७ जी.बी., अनूपगढ़, (श्रीगंगानगर)	श्रावण वदि १ सायं
२१३. बिरमाराम बारोटिया/श्री सुरजारामजी बारोटिया	संगम विहार, रतनगढ़ (चुरू)	श्रावण वदि २ प्रातः
२१४. रोशनदास चेला संत नरसीदास/श्री टीकूराम भट्ट	प्रेमनगर, अनूपगढ़, श्रीगंगानगर	श्रावण वदि २ सायं
२१५. ठाकुरराम इणकिया/श्री रेशमारामजी इणकिया	V.P.O. बोहा, वाया देवा-३४५००१	श्रावण वदि ३ प्रातः
२१६. मोहनलाल डेवाल/श्री चैनारामजी मेघवाल	ग्राम बोसेरी, पो. आंवलियासर, नागौर	श्रावण वदि ३ दिन
२१७. मंगलाराम/श्री भोलाराम मंडीवाल	बड़ा भोजसर, सीकर-३३२३१२	श्रावण वदि ३ सायं
२१८. बाबूलाल दादावत/श्री मोतीरामजी दादावत	V.P.O. पोमावा वाया सुमेरपुर-३३६९०२	श्रावण वदि ४ प्रातः
२१९ श्रीमती निर्मलादेवी/श्री भँवरलाल बारुपाल	अगूणा मोहल्ला, राजलदेसर-३३१८०२	श्रावण वदि ४ सायं
२२०. गोपीराम बरड़वा/श्री मोतीरामजी बरड़वा	दईयाकौर, लीलोलाई नाडी-३४२३०९	श्रावण वदि ५ प्रातः
२२१. धीरजकुमार/साँवरमल बारुपाल	अगूणा मोहल्ला, राजलदेसर-३३१८०२	श्रावण वदि ५ सायं
२२२. महावीरप्रसाद टाक/श्री कालूरामजी कूमावत	V.P.O. आलमगढ़, अबोहर (पंजाब)	श्रावण वदि ६ प्रातः
२२३. सुरेन्द्रकुमार मीडल/श्री भीखारामजी	V.P.O. मंगने की ढाणी, बाडमेर-३४४००१	श्रावण वदि ६ सायं
२२४. फकीरचन्द नोखवाल/श्री कालूरामजी कूमावत	आलमगढ़, (अबोहर) १५२११६	श्रावण वदि ७ प्रातः
२२५. नेनुराम मेघवाल/श्री सुगनारामजी चौहान	पाबुसर, नागौर-३४१००१	श्रावण वदि ७ सायं
२२६. श्रीमती दीपोदेवी/पत्नी कालूरामजी कुलरिया	खोखसर, हाल-कर्वेनगर, पूणे	श्रावण वदि ८ प्रातः
२२७. ख्यालीराम डाल/श्री गिरधारीरामजी प्रजापत	८७ जीबी, पो. अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर)	श्रावण वदि ८ सायं
२२८. सुगनाराम पाखरवड़/श्री दीपारामजी पाखरवड़	V.P.O. देचू-३४२३१४	श्रावण वदि ९
२२९. रामूराम पाखरवड़/श्री दीपारामजी पाखरवड़	V.P.O. देचू-३४२३१४	श्रावण वदि १० प्रातः
२३०. सुश्री रामजीतकौर पुत्रीश्री बिलोवरसिंह सिंहमार	V.P.O. देसू मलकाना, सिरसा (हरियाणा)	श्रावण वदि १० सायं
२३१. चौथाराम कुलरिया/श्री प्रह्लादरामजी	V.P.O. कलाऊ, शेरगढ़-३४२३१४	श्रावण वदि ११ प्रातः
२३२. परमजीतकौर धर्मपत्नीश्री जगसीरसिंह भाटिया	V.P.O. कालावाली, सिरसा (हरियाणा)	श्रावण वदि ११ सायं
२३३. जीवणराम मांडण/श्री गिरधारीरामजी	V.P.O. मड़लाकला-३४२३१४	श्रावण वदि १२ प्रातः
२३४. श्रीमती भगवतीदेवी/श्री हरजीरामजी रोलण	फतेहपुर शेखावाटी, सीकर-३३२३०१	श्रावण वदि १२ सायं
२३५. घेवरराम पाखरवड़/श्री लाभूरामजी पाखरवड़	V.P.O. देचू-३४२३१४ (जोधपुर)	श्रावण वदि १३ प्रातः

क्रमांक नाम मय पिता, गोत्र	संक्षिप्त पता	वार्षिक सेवा दिन
२३६. भगवानाराम वर्मा/श्री खेतारामजी	P.O. रिणाऊ, फतेहपुर शेखावाटी, सीकर	श्रावण वदि १३ सायं
२३७. आदूराम मंगलाव/श्री राणारामजी मंगलाव	V.P.O. ढेलाणा (फलोदी) ३४२३०१	श्रावण वदि १४ प्रातः
२३८. रामेश्वरलाल लदरेचा/किसनारामजी	ठकुरियासर, वाया डूंगरगढ़ (बीकानेर)	श्रावण वदि १४ सायं
२३९. रेवंतराम माकड़/श्री जग्गूरामजी माकड़	V.P.O. चेराई-३४२३०६ हाल मुम्बई	श्रावण वदि ३० प्रातः
२४०. अनिल कुमार/श्री भगवानाराम इणकिया	गांधी नगर, माता का थान, जोधपुर	श्रावण वदि ३० सायं
२४१. जोतूभाई पोपट/श्री मानसिंह कोटेजा राजपूत	५०२ बी, RO, P. NO. 7 मुम्बई-६७	श्रावण सुदि १ प्रातः
२४२. विश्वम्भर दयाल/लीलारामजी दायमा	V.P.O. ऊदामंडी वाया बुहाना (झुंझुनू)	श्रावण सुदि १ सायं
२४३. टामूराम बूढड़/श्री मगनारामजी सुथार	V.P.O. तेना-३४२०२८	श्रावण सुदि २ प्रातः
२४४. सर्वजीत कौर पुत्री श्री जगसीरसिंह भाटिया	V.P.O. कालावाली, सिरसा (हरियाणा)	श्रावण सुदि २ सायं
२४५. मगनाराम बूढड़/श्री घेवररामजी बूढड़	V.P.O. जुड़िया-३४२०२२	श्रावण सुदि ३ प्रातः
२४६. राजकुमार/श्री हरजीराम जी रोलण	P.O. फतेहपुर शेखावाटी-३३२३०१	श्रावण सुदि ३ सायं
२४७. कमलसिंह कोटेशा/श्री मानसिंहजी राजपूत	P.O. जर[illegible]-[illegible]४४००१ (बाडमेर)	श्रावण सुदि ४ प्रातः
२४८. रमेशकुमार/बेगारामजी रोयल	P.O. ८ केएम, सरदारपुरा (रावतसर)	श्रावण सुदि ४ सायं
२४९. जोगाराम कुलरिया/श्री सांगारामजी सुथार	V.P.O. होपारड़ी-३४२३०१ (फलोदी)	श्रावण सुदि ५ प्रातः
२५०. बजरंगलाल कालरा/बोदुरामजी	बीड़ोदी वाड़ी, वाया बीदासर, सीकर	श्रावण सुदि ५ सायं
२५१. खेमाराम डोयल/श्री सदासुखजी डोयल	V.P.O. सगरा-३४२३१४	श्रावण सुदि ६ प्रातः
२५२. श्रीमती सरोजदेवी/श्री राजकुमार रोलण	P.O. फतेहपुर शेखावाटी (सीकर)	श्रावण सुदि ६ सायं
२५३. रामदेव दानोदिया/श्री हरिरामजी	बड़ा भोजासर, वाया पाटोदा, सीकर	श्रावण सुदि ७ प्रातः
२५४. शंकरलाल/श्री धनारामजी भाटी	V.P.O. बगीचा, तह.रायसिंहनगर, श्रीगंगानगर	श्रावण सुदि ७ सायं
२५५. चेतनप्रकाश मोयल/श्री मांगीलालजी	नागौरीगेट, रामोल्ला, कागाडांडी, जोधपुर	श्रावण सुदि ८ प्रातः
२५६. नरसीदास स्वामी/श्री पूरणदासजी पीपावत	भादरा, जिला हनुमानगढ़-३३५५०१	श्रावण सुदि ८ सायं
२५७. चैनाराम कुलरिया/श्री आंबारामजी कुलरिया	V.P.O. कलाऊ-३४२०२२ (सेतरावा)	श्रावण सुदि ९ प्रातः
२५८. भँवरलाल/श्री हणुतारामजी प्रजापत	V.P.O. भालेरी-३३१३०४ (चूरू)	श्रावण सुदि ९ सायं
२५९. वृजलाल पटवारी/चाननरामजी धृट	V.P.O. ताखरांवाली-३३५८०२	श्रावण सुदि १० प्रातः
२६०. श्रीमती लक्ष्मीदेवी/श्री हरिसिंह कटारिया	वार्ड नं. ४, भादरा, हनुमानगढ़-३३५५०१	श्रावण सुदि १० सायं
२६१. चांदूराम लीलड़/श्री मोबतरामजी	V.P.O. भैरवा वाया चांधन-३४५०२९	श्रावण सुदि ११ प्रातः
२६२. श्रीमती मीरादेवी/श्री गौरीशंकर स्वामी पीपावत	सब्जी मंडी, वार्ड नं.१५, भादरा-३३५५०१	श्रावण सुदि ११ सायं
२६३. नखताराम कुलरिया/श्री मगनारामजी कुलरिया	V.P.O. लालपुरा वाया देचू-३४२३१४	श्रावण सुदि १२ प्रातः
२६४. महावीर स्वामी/श्री सुरजारामजी स्वामी	सब्जी मंडी, वार्ड नं.१५, भादरा-३३५५०१	श्रावण सुदि १२ सायं
२६५. भँवरलाल सेलवाल/श्री अर्जुनरामजी बुनकर	V.P.O. पेमासर (बीकानेर) ३३४००१	श्रावण सुदि १३ प्रातः
२६६. मोटाराम/श्री बींझारामजी बोचिया	P.O. मूंगड़ा, वाया बालोतरा, बाडमेर	श्रावण सुदि १३ साय
२६७. पन्नालाल लाखा/श्री डूंगरलालजी लाखा	प्लॉट १४७, बलदेव नगर, जोधपुर-३	श्रावण सुदि १४ प्रात
२६८. गोविन्द बारुपाल/श्री मोहनलालजी	V.P.O. चान्धन (जैसलमेर)/बीकानेर	श्रावण सुदि १४ सा
२६९. श्री मती दुर्गादेवी/श्री छोगारामजी कुलरिया	V.P.O. तेना-३४२०२८ (शेरगढ़)	श्रावण पूर्णिमा प्रात
२७०. मुकेश बारुपाल/श्री मोहनलाल बारुपाल	V.P.O. चान्धन-३४५०२९ (जैसलमेर)	श्रावण पूर्णिमा सा
२७१. भँवरलाल नागल/श्री बूलारामजी बूढ़ड़	बालूसिंह की ढाणी, भणियाणा-३४५०२३	भाद्रपद वदि १ प्र

क्रमांक नाम मय पिता, गोत्र	संक्षिप्त पता	वार्षिक सेवा दिन
२७२. अनिल स्वामी/श्री नोपाराम स्वामी	चक ३ डी-डब्ल्यू-एम, रावतसर-३३५५२४	भाद्रपद वदि १ सायं
२७३. रामवदन प्रजापत/श्री द्वारकारामजी	बन्दतोला, मुम्बई	भाद्रपद वदि २ प्रात:
२७४. हिम्मताराम सुथार/श्री मिश्रीलालजी धामू	३१ सामी स्ट्रीट, चूलै, चैन्नई-६०००११२	भाद्रपद वदि २ सायं
२७५. प्रह्लादराम जोपिंग/श्री भगवानारामजी जोपिंग	V.P.O. छीतर-३४३५३५ (बाडमेर)	भाद्रपद वदि ३ प्रात:
२७६. गोकुलराम मेघवाल/श्री तुलछाराम जी मेघवाल	श्री लक्ष्मणनगर (चाडी), फलोदी	भाद्रपद वदि ३ सायं
२७७. भूराराम जोपिंग/श्री मूलारामजी जोपिंग	V.P.O. शहर-३४४००१ (बाडमेर)	भाद्रपद वदि ४ प्रात:
२७८. दुष्यन्त जनागल/श्री रामस्वरूप जनागल	V.P.O. रताऊ, वाया लाडनू-३४१३१७	भाद्रपद वदि ४ सायं
२७९. दिनेश भाई परमार/श्री मनसुखभाई परमार	अन्सर नगर, अंधेरी (ई) मुम्बई	भाद्रपद वदि ५ प्रात:
२८०. अर्जुन सुथार/श्री पेंपाराम सुथार	गाँव सुखमडला, तह.शेरगढ़ (जोधपुर)	भाद्रपद वदि ५ सायं
२८१. कैलाश मिस्त्री/श्री नारायणजी प्रजापत	दईसर, हाल - मुंबई	भाद्रपद वदि ६ प्रात:
२८२. कन्हैयालाल एडवोकेट/श्री रेशमाराम चौहान	V.P.O. रामगढ़-३४५०२२ (जैसलमेर)	भाद्रपद वदि ६ सायं
२८३. उम्मेदराम कुलरिया/श्री शोगारामजी	V.P.O. नागाणा-३४४०२६	भाद्रपद वदि ७ प्रात:
२८४. शंकरलाल लोहिया/श्री मुंगनारामजी	इन्द्रा कॉलोनी, नागौर-३४२००१	भाद्रपद वदि ७ सायं
२८५. लालूराम धीर/श्री जेठारामजी धीर	V.P.O. सोमेसर-३४२०२५	भाद्रपद वदि ८ प्रात:
२८६. श्रीमती सुमन पटवारी/श्री संतलाल दुदवाल	V.P.O. पिचकारी, त.नोहर-३३५५३०	भाद्रपद वदि ८ सायं
२८७. खंगाराम बूढ़ड़/श्री भूरारामजी बूढ़ड़	V.P.O. शेरगढ़-३४२०२८	भाद्रपद वदि ९ प्रात:
२८८. बंशीलाल दुधवाल/श्री ब्रजलालजी	V.P.O. पिचकारी, त.नोहर-३३५५३०	भाद्रपद वदि ९ सायं
२८९. मोहनलाल अट्ठावनिया/श्री हजारीरामजी	जेजे कॉलोनी, मादीपुर दिल्ली	भाद्रपद वदि १० प्रात:
२९०. आत्माराम प्रजापत/श्रीतनसुखरामजी	V.P.O. आलमगढ़, अबोहर-१५२११६	भाद्रपद वदि १० सायं
२९१. श्रीमती अगरादेवी/श्री भानीरामजी मांडण	बड़ा मड़ला, देचू-३४२३१४	भाद्रपद वदि ११ प्रात:
२९२. श्रीमती शान्तिदेवी हुड्डा/धर्मपत्नी श्री भगवानाराम	V.P.O. गांगियासर, फतेहपुर शेखावाटी	भाद्रपद वदि ११ सायं
२९३. श्रीमती मगीदेवी/धर्मपत्नी श्री लाभूरामजी	देचू-३४२३१४	भाद्रपद वदि १२ प्रात:
२९४. भगवानाराम हुड्डा/श्री नारायणरामजी	V.P.O. गांगियासर, फतेहपुर शेखावाटी	भाद्रपद वदि १२ सायं
२९५. भीमराव/श्री निवरूती पोल	भाईंदर (ई), मुम्बई-७८	भाद्रपद वदि १३ प्रात:
२९६. श्रीमती रामप्यारी हुड्डा/धर्मपत्नी श्री रघुवीरसिंह	V.P.O. गांगियासर, हाल सीकर	भाद्रपद वदि १३ सायं
२९७. रामसिंह ईन्दा/श्री देवीसिंह जी ईन्दा	गाँव देवातू (जोधपुर)	भाद्रपद वदि १४ प्रात:
२९८. बलवीरसिंह हुड्डा/श्री नारायणराम हुड्डा	V.P.O. गांगियासर, फतेहपुर शेखावाटी	भाद्रपद वदि १४ सायं
२९९. रामकिशन चौहान/श्री अर्जुनरामजी	तलवाड़ा झील-३३५५२५	भाद्रपद वदि ३० प्रात:
३०० सुश्री कुलवन्त कौर/पुत्री श्री जगसिरसिंह	V.P.O. कालांवाली, हरियाणा	भाद्रपद वदि ३०सायं
३०१. श्रीमती लहरोंदेवी/श्री भींयाराम बूढ़ड़	V.P.O. गुमानसिंहपुरा (शेरगढ़)	भाद्रपद सुदि १ प्रात:
३०२. विनोदकुमार सोनेल/श्री लुणारामजी	V.P.O. चाँदेलाव, त. बीलाड़ा-३४२०२७	भाद्रपद सुदि १ सायं
३०३. मुलतानाराम इणकिया/श्री छत्तारामजी इणकिया	V.P.O. कोटड़ी (पीथला) ३४५००१	भाद्रपद सुदि २ प्रात:
३०४. प्रकाश सेजू/श्री मोहनरलालजी सेजू	V.P.O. बिसलपुर, जोधपुर-३४२०२७	भाद्रपद सुदि २ सायं
३०५. मोहनलाल माकड़/श्री सहजारामजी सुथार	प्लॉट नं. ९५, चांदना भाकर, जोधपुर-३	भाद्रपद सुदि ३ प्रात:
३०६. राजेश भाटी/श्री धन्नारामजी भाटी	V.P.O. काकेलाव, जोधपुर-३४२०२७	भाद्रपद सुदि ३ सायं
३०७. साध्वी मानाबाई/शिष्या संत सूंडारामजी	चक गोविंदराम, 7 BLD श्री विजयनगर	भाद्रपद सुदि ४ प्रात:

क्रमांक नाम मय पिता, गोत्र	संक्षिप्त पता	वार्षिक सेवा दिन
३०८. सुरेश सेजू/श्री रामचन्द्रजी सेजू	V.P.O. बिसलपुर, जोधपुर-३४२०२७	भाद्रपद सुदि ४ सायं
३०९. संत पूरणप्रकाश वैष्णव/स्वामी रामप्रकाशाचार्यजी	पूर्ण उत्तम आश्रम, रावतसर (हनुमानगढ़)	भाद्रपद सुदि ५ प्रातः
३१०. दिलीप सेजू/श्री रामचन्द्रजी सेजू	V.P.O. बिसलपुर, जोधपुर-३४२०२७	भाद्रपद सुदि ५ सायं
३११. शिवकुमार हुड्डा/श्री हनुमानरामजी हुड्डा	V.P.O. गांगियासर-३३२३०१ फतेहपुर	भाद्रपद सुदि ६ प्रातः
३१२. दिनेश भाटी/श्री श्यामलालजी भाटी	V.P.O. काकेलाव, जोधपुर-३४२०२७	भाद्रपद सुदि ६ सायं
३१३. मिस्त्री मिश्रीलाल/श्री नत्थुरामजी दिवर	हरि इंजिनियरिंग वर्क्स, मंदसौर (म. प्र.)	भाद्रपद सुदि ७ प्रातः
३१४. श्यामलाल भाटी/श्री नरसिंहजी भाटी	V.P.O. काकेलाव, जोधपुर-३४२०२७	भाद्रपद सुदि ७ सायं
३१५. श्रीमती कंचनदेवी/पत्नी श्री मिश्रीलालजी दिवर	मंदसौर-४५८००२ (म. प्र.)	भाद्रपद सुदि ८ प्रातः
३१६. श्रीमती सरितादेवी/श्री मातादीन गर्वा	V.P.O. स्लामपुर, झुँझुनूं-३३३०२७	भाद्रपद सुदि ८ सायं
३१७. रामकृष्ण परिहार/श्री फोजाराम परिहार	नेहरु कॉलोनी, वार्ड-२६, बालोतरा	भाद्रपद सुदि ९ प्रातः
३१८. मोटाराम प्रजापत/श्री धानारामजी प्रजापत	V.P.O. धाँधु, जिला चुरू-३३१३०१	भाद्रपद सुदि ९ सायं
३१९. मानाराम जोगसन/श्री मालारामजी जोगसन	खेड़ रोड़, हीरा पन्ना गली, बालोतरा	भाद्रपद सुदि १० प्रातः
३२०. चेतनराम गंढेर/श्री धनारामजी गंढेर	V.P.O. मेघवाल बास, फलोदी-३४२३०१	भाद्रपद सुदि १० सायं
३२१. श्रीमती हेमीदेवी/पत्नी श्री मूलारामजी मांडण	बड़ा मड़ला-३४२३१४, हाल-मुम्बई	भाद्रपद सुदि ११ प्रातः
३२२. मोहनलाल लीलड़/श्री मालारामजी	V.P.O. मेघवाल बास, फलोदी-३४२३०१	भाद्रपद सुदि ११ सायं
३२३. रामनिवास महीचा/अर्जुनरामजी महीचा	फतेहपुर शेखावाटी (सीकर) ३३२३०१	भाद्रपद सुदि १२ प्रातः
३२४. मोहनराम गंढेर/श्री गणेशारामजी गंढेर	V.P.O. बावड़ी कला, फलोदी-३४२३०१	भाद्रपद सुदि १२ सायं
३२५. श्रीमती शांतिदेवी/पत्नी श्री मदनलाल चिराणिया	भेरूपुरा, हाल-पानीपेच, जयपुर	भाद्रपद सुदि १३ प्रातः
३२६. रूपारामजी लीलड़/श्री खुमारामजी लीलड़	V.P.O. मेघवाल बास, फलोदी-३४२३०१	भाद्रपद सुदि १३ सायं
३२७. मिस्त्री भगवानाराम/श्री भैरारामजी बूढ़ड़	V.P.O. शेरगढ़-३४२०२२	भाद्रपद सुदि १४ प्रातः
३२८. हेमाराम गढेर/श्री नत्थारामजी गढेर	V.P.O. बावड़ी कला, फलोदी-३४२३०१	भाद्रपद सुदि १४ सायं
३२९. श्री मती शान्तिदेवी/पत्नी श्री भगवानारामजी	बूढ़ड़ भवन, V.P.O. शेरगढ़-३४२०२२	भाद्रपद पूर्णिमा प्रातः
३३०. डाऊलाल लीलड़/श्री नाथूरामजी	V.P.O. मेघवाल बास, फलोदी-३४२३०१	भाद्रपद पूर्णिमा सायं
३३१. श्री राजबब्बर अभिनेता (पूर्व सांसद)	२०, नैपथ्य जुहू, गुलमोहर रोड, मुम्बई	आश्विन वदि १ प्रातः
३३२. आसुराम इणकिया/श्री अमोलखरामजी	V.P.O. मलार, फलौदी-३४२३०१	आश्विन वदि १ सायं
३३३. हेमाराम जोपिंग/श्री पूनमारामजी जोपिंग	V.P.O. सरवड़ी, कल्याणपुर (बाडमेर)	आश्विन वदि २ प्रातः
३३४. सन्त बंकनाथजी /चेला स्वामी बेलानाथजी	बेलनाथ आश्रम, गऊघाट, कोलायत	आश्विन वदि २ सायं
३३५. मोहनराम गेंपल/श्री पूनारामजी सुथार	V.P.O. कुशलावा, फलोदी-३४२३०१	आश्विन वदि ३ प्रातः
३३६. प्रदीप सांखला/श्री परसरामजी साँखला	नागौरी गेट, राम मोहल्ला, जोधपुर	आश्विन वदि ३ सायं
३३७. अनोपाराम मंगलाव/श्री जेतारामजी मंगलाव	V.P.O. ढेलाणा, लोहावट (जोधपुर)	आश्विन वदि ४ प्रातः
३३८. अशोककुमार प्रजापत/श्री मदनलालजी	V.P.O. गोगेलाव, नागौर-३४१००१	आश्विन वदि ४ सायं
३३९. रूपाराम जोपिंग/श्री फूसारामजी जोपिंग	V.P.O. सरवड़ी, वाया कल्याणपुर	आश्विन वदि ५ प्रातः
३४० नरोत्तमभाई राठौड़/श्री भीखाभाई	बी.१६, पिंकसिटी, रानीप, अहमदाबाद	आश्विन वदि ५ सायं
३४१. बालूराम जोपिंग/श्री फूसारामजी जोपिंग	V.P.O. सरवड़ी पुरोहितान-३४४०२६	आश्विन वदि ६ प्रातः
३४२. चुन्नाराम सैलवाल/श्री उमानारामजी	V.P.O. कातर शिवपुरी, बीदासर, चूरू	आश्विन वदि ६ सायं
३४३. लिखमाराम बूढ़ड़/श्री हमीरारामजी बूढ़ड़	V.P.O. तेना, शेरगढ-३४२०२८	आश्विन वदि ७ प्रातः

क्रमांक नाम मय पिता, गोत्र	संक्षिप्त पता	वार्षिक सेवा दिन
३४४. डूंगरसिंह मास्टर/श्री खेराजराम जी माहेचा	V.P.O. मेनसर, नोखा (बीकानेर)	आश्विन वदि ७ सायं
३४५. इन्द्राराम जोपिंग/श्री राणारामजी जोपिंग	V.P.O. भूँगरा (शेरगढ़)-३४२०२८	आश्विन वदि ८ प्रात:
३४६. नेमाराम पटवारी/पूर्णमलजी बरवड़	V.P.O. नोड़िया, बीदासर (चुरू)	आश्विन वदि ८ सायं
३४७. जोगाराम छड़िया/श्री शेरारामजी छड़िया	V.P.O. चाबा-३४२०२२	आश्विन वदि ९ प्रात:
३४८. अमनदीप कौर/श्री कृष्णसिंह भाटीया	V.P.O. कालावाली (हरियाणा)	आश्विन वदि ९ सायं
३४९. चनणाराम बूढ़ड़/श्री मंगलारामजी बूढ़ड़	P.O. फलसूण्ड वाया पोकरण-३४५०२१	आश्विन वदि १० प्रात:
३५०. सुभाष शर्मा/श्री मदनलालजी शर्मा	P.O. अबोहर-१५२११६ (पंजाब)	आश्विन वदि १० सायं
३५१. श्रीमती नारायणीदेवी/श्री पदमारामजी मांण्डण	V.P.O. मड़ला खुर्द, (मड़लाकला) देचू	आश्विन वदि ११ प्रात:
३५२. सोनू (रुपिद्र) शर्मा/श्री हरिशंकर शर्मा	फाजिल्का रोड, अबोहर-१५२११६	आश्विन वदि ११ सायं
३५३. मुकनाराम जयपाल/श्री पन्नारामजी	शास्त्री गाम (भू का पार), बाडमेर	आश्विन वदि ११ सायं
३५४. श्रीमती जतनो सुथार/पत्नी दुर्गारामजी पाखरवड़	V.P.O. परालिया, (कोरणा)३४४०२७	आश्विन वदि १२ प्रात:
३५५. श्रीमती कानुदेवी/धर्मपत्नी श्री वीरमाराम सोनेल	V.P.O. अणगौर-३०६९०२ (सुमेरपुर)	आश्विन वदि १२ सायं
३५६. श्रीमती उर्मिलादेवी/धर्मपत्नीश्री हीरालाल वर्मा	श्री रामनगर, झोंटवाडा (जयपुर)	आश्विन वदि १२ सायं
३५७. खैराजराम भदरेसा/श्री बगतारामजी भदरेचा	V.P.O. बोंधेवा वाया फलसूंड-३४५०२१	आश्विन वदि १३ प्रात:
३५८. परसाराम खांडपा/श्री रामदीनराम जी	V.P.O. टोडियाना (भोपालगढ़) जोधपुर	आश्विन वदि १३ सायं
३५९. शंकरलाल जयपाल/श्री अमरारामजी जयपाल	महामंदिर दलेचां, शिवशक्ति नगर, जोधपुर	आश्विन वदि १४ प्रात:
३६०. विशनाराम चाहेलिया/श्री चन्द्रारामजी	बुड़ियों की बासनी, खेडापा (जोधपुर)	आश्विन वदि १४ सायं
३६१. श्रीमती देवी/पत्नी श्री दौलारामजी पाखरवड़	कानोडिया वाया देचू-३४२३१४	आश्विन वदि ३० प्रात:
३६२. शुकदेव सूम्बरा/श्री अचलाराम जी	V. सुखमडला, वाया-पीलवा-३४२३०९	आश्विन वदि ३० सायं
३६३. नींबाराम/रायमलराम पंवार/श्री रूगारामजी	V.P.O. सौडाकोर, वाया लाठी-३४५०२१	आश्विन सुदि १ प्रात:
३६४. शेराराम कड़ेला/श्री गेनारामजी	गाँव भीमसागर, त. ओसिंया-३४२३०२	आश्विन सुदि १ साय
३६५. मुहम्मद यूसुफ़ बेलिम/श्री हाजी मोहम्मद भिश्ती	राजमहल के पास, गुलाबसागर, जोधपुर	आश्विन सुदि २ प्रात
३६६. पूसाराम कड़ेला/श्री शिवनाथरामजी	V.P.O. कड़ेलों की ढाणी, खिंवसर-३४१०२५	आश्विन सुदि २ सा
३६७. भीखाराम इणकिया/श्री पूरनारामजी इणकिया	बालों की ढाणी, ओसियां-३४२३०३	आश्विन सुदि ३ प्रात
३६८. मनीराम धूधाड़ा/श्री हजारीराम जी	V.P.O. कमालवाला, जि. फाजिल्का (पंजाब)	आश्विन सुदि ३ सा
३६९. शिशुपाल चिनिया/श्री बदरूरामजी चिनिया	V.P.O. गोलसर, जिला चुरू-३३१००१	आश्विन सुदि ४ प्रात
३७०. परमेश्वर त्रिवेदी/श्री मोहनलालजी	प्रभातनगर, उदयपुर-३१३००२	आश्विन सुदि ४ सा
३७१. गोविंदराम भाटी/नत्थुरामजी भाटी	7 BLD श्रीविजयनगर-३३५७०४	आश्विन सुदि ५ प्रात
३७२. राजेन्द्रप्रसाद पंवार/श्री राणारामजी	पाल गाँव (मसूरिया), जोधपुर	आश्विन सुदि ५ सा
३७३. पूसाराम टेलर/श्री कानारामजी जयपाल	P.O. लोहावट-३४२३०२	आश्विन सुदि ६ प्रा
३७४. शिवराम सोलंकी/श्री नवलारामजी मेघवाल	V.P.O. बांसिया, रायपुर-मारवाड़	आश्विन सुदि ६ स
३७५. टीकूराम बारूपाल/श्री संत प्रह्लादरामजी	धायसर, हाल-चौ.हा.बो., जोधपुर-३	आश्विन सुदि ७ प्रा
३७६. श्रीमती राधादेवी पंवार/श्री रायमलरामजी	V.P.O. सोडाकोर-३४५००१ (जैसलमेर)	आश्विन सुदि ७ स
३७७. मानाराम परिहार/श्री आसूरामजी परिहार	V.P.O. कागाऊ, हाल-बालोतरा-३४४०२२	आश्विन सुदि ८
३७८. दुल्हीचंद मेव/श्री मालारामजी मेव	V.P.O. बड़वासी, नवलगढ़ (झुँझुँनू)	आश्विन सुदि ९ प्र
३७९ दानाराम प्रजापत/श्री आसारामजी	V.P.O. कमालवाला-१५२१६ (पंजाब)	आश्विन सुदि ९ स

क्रमांक नाम मय पिता, गोत्र	संक्षिप्त पता	वार्षिक सेवा दिन
३८०. विशनाराम माकड़/श्री सहजारामजी माकड़	चेराई (जोधपुर) - ३४२३०६	आश्विन सुदि १० प्रातः
३८१. ईमीलाल प्रजापत/श्री लिखमारामजी	V.P.O. कमालवाला-१५२१६ (पंजाब)	आश्विन सुदि १० सायं
३८२. विजाराम बामणिया/श्री मुलतानरामजी बामणिया	V.P.O. ओढ़ाणिया (पोकरण)	आश्विन सुदि ११ प्रातः
३८३. शीशराम दहिया/बनवारीलाल जी	V.P.O. चुड़ीना, त. बुहाना (झुंझुँनू)	आश्विन सुदि ११ सायं
३८४. संत धर्मारामजी/स्वामी रामदासजी वैरागी	हरि आश्रम, जाजीवाल खींचियाँ (जोधपुर)	आश्विन सुदि १२ प्रातः
३८५. अभिषेक दहिया/श्री शीशराम जी दहिया	V.P.O. चुड़ीना, त. बुहाना (झुंझुँनू)	आश्विन सुदि १२ सायं
३८६. संत तिलोकरामजी/स्वामी चेतनरामजी	रामद्वारा, P.O. बासनी नृसिंह, डेगाना-३४१५०३	आश्विन सुदि १३ प्रातः
३८७. सौरभ दहिया/श्री शीशरामजी दहिया	V.P.O. चुड़ीना, त. बुहाना (झुंझुँनू)	आश्विन सुदि १३ सायं
३८८. श्रीमती लेहरांदेवी/श्री भैरारामजी बूढ़ड़	V.P.O. गुमानसिंहपुरा, शेरगढ़ (जोधपुर)	आश्विन सुदि १४ प्रातः
३८९. लोकेश दहिया/श्री शीशरामजी दहिया	V.P.O. चुड़ीना, त. बुहाना (झुंझुँनू)	आश्विन सुदि १४
३९०. भेराराम बूढ़ड़/श्री मोडारामजी बूढ़ड़	V.P.O. गुमानसिंहपुरा-३४२३१४	आश्विन सुदि १५
३९१. जयप्रकाश कुलरिया/श्री पेपारामजी सुथार	V.P.O. सुखमडला (पीलवा) ३४२३०९	कार्तिक वदि १ प्रातः
३९२. श्रीमती पपीदेवी महिचा/श्री रामनिवास जी	फतेहपुर-शेखावाटी-३३२३०१ (सीकर)	कार्तिक वदि १ साय
३९३. पेमाराम बरड़वा/श्री कुंभारामजी बरड़वा	पाबुसर, दासानिया, हाल-लातूर	कार्तिक वदि २ प्रातः
३९४. संत भंवरदास/चेला स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी	DWD हनुमानगढ़, हाल-सूरतगढ़	कार्तिक वदि २ साय
३९५. पोपाराम डोयल/श्री दीपारामजी डोयल	V.P.O. सेतरावा (जेतसर) ३४२०२५	कार्तिक वदि ३ प्रातः
३९६. श्रीमती पूरीबाई/श्री मोतीरामजी राठौड़	P.O. सुमेरपुर-३०६९०२ (पाली)	कार्तिक वदि ३ साय
३९७. घीसूलाल पंवार/श्री जोगारामजी पंवार	महामंदिर, तीसरी पोल, दलेचां, जोधपुर	कार्तिक वदि ४ प्रात
३९८. जसराज सूम्बरा/श्री मोहनरामजी	P.O. सुखमडला, वाया पीलवा-३४२३०९	कार्तिक वदि ४ सा
३९९. साध्वी सज्जनीबाई/शिष्या संत देवारामजी	रामद्वारा, समदड़ी रोड, बालोतरा ३४४०२२	कार्तिक वदि ५ प्रात
४००. जगदीश सेजू/श्री ओमप्रकाशजी	V.P.O. नाथडाऊ-३४२३०९ (जोधपुर)	कार्तिक वदि ५ सा
४०१. रतनाराम माकड़/श्री चुन्नीलालजी	डिफेंस कॉलोनी, न्यू समा रोड, बड़ौदा	कार्तिक वदि ६ प्रात
४०२. भोपाराम गुजर/श्री सकारामजी	V.P.O. धनवा, त. गुडामलानी (बाडमेर)	कार्तिक वदि ६ सा
४०३. रावलराम बामणिया/श्री राजूरामजी बामणिया	V.P.O. लोड़ता, वाया सेतरावा-३४२०२५	कार्तिक वदि ७ प्रा
४०४. रुघाराम जयपाल/श्री धूड़ारामजी	V.P.O. सारुंडा, त. नोखा-३३४८०३	कार्तिक वदि ७ स
४०५. पूनाराम बूढ़ड़/श्री धौंकलरामजी बूढ़ड़	सामराऊ, तह-ओसियां-३४२३०३	कार्तिक वदि ८ प्र
४०६. श्रीमती परमादेवी/श्री भगवानाराम इणकिया	गाँव झोरड़ा, त. जायल (नागौर) ३४१०१२३	कार्तिक वदि ८ स
४०७. मोहनलाल बामणिया/श्री लाधूरामजी बामणिया	P.O. सेतरावा-३४२०२५	कार्तिक वदि ९ प्र
४०८. श्री भैराराम कड़ेला/श्री तेजारामजी	महामंदिर तीसरी पोल, जोधपुर	कार्तिक वदि ९
४०९. मूलाराम जोपिंग/श्री हनवंताराम सुथार	बुड़किया, हाल-भालेकर बस्ती, पूणे	कार्तिक वदि १०
४१०. घीसूलाल बागराणा/श्री गुल्लारामजी	मकान नं. ४२, रामोल्ला रोड, जोधपुर-६	कार्तिक वदि १
४११. रूपाराम धनदे/श्री चौखारामजी धनदे, अधिकारी	जल विभाग सेवारत, V.P.O. चेलक	कार्तिक वदि १
४१२. पोकरराम पंवार/श्री खुशालरामजी पंवार	V.P.O. सोडाकोर वाया लाठी-३४५०२१	कार्तिक वदि १
४१३. अनिलकुमार टाटिया/कैलाशचन्द्र टाटिया	ई-८३, शास्त्रीनगर, जोधपुर-३४२००३	कार्तिक वदि १
४१४. श्रीमती चूनीदेवी/श्री केसररामजी पाखरवड़	सोमेसर वाया सेतरावा-३४२०२५	कार्तिक वदि ३
४१५. अनिलकुमार सिंवर/श्री रामसिंहजी सिंवर	V.P.O. मोडाखेड़ा (आदमपुर) हिसार	कार्तिक सुदि

क्रमांक	नाम मय पिता, गोत्र	संक्षिप्त पता	वार्षिक
४८८.	खेमचंद राठौड़/श्री हरिरामजी राठौड़	नई घड़साना मंडी-३३५७०७	पौष सुदि
४८९.	श्रीमती शांतिबाई साध्वी/श्री रूपाराम सोलंकी	चकजनतावाली घड़साना नई मंडी	पौष सुदि
४९०.	ओमप्रकाश एडवोकेट/श्री बीरबलरामजी सिंहमार	पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर-३३५००१	पौष सुदि
४९१.	धन्नाराम लौवा/श्री छोगारामजी लौवा	V.P.O. नाथड़ाऊ-३४२३०९	माघ वदि
४९२.	बस्ताराम चौहान/श्री देदारामजी चौहान	सांकड़ा-३४५०२७ (पोकरण)	माघ वदि
४९३.	गोबरराम देपाल/श्री सांवलरामजी देपाल	सरवड़ी-३४४०२६ (बाडमेर)	माघ वदि
४९४	सूबेदार तुलसीराम/श्री किशनारामजी सुण्डा	V.P.O.चाचीबाद बड़ा, लक्ष्मणगढ़ (सीकर)	माघ वदि
४९५.	बाबूलाल बरड़वा/श्री शंकररामजी	V.P.O. बरसिंगा (बाड़मेर)	माघ वदि
४९६.	मोतीराम राठौड़/बनाजी राठौड़	रामदेव टेण्ट, सुमेरपुर-३०६९०२	माघ वदि
४९७.	महेन्द्रसिंह गहलोत/श्री मानसिंहजी माली	महामंदिर रोड, जोधपुर	माघ वदि
४९८.	भँवरसिंह चौहान/श्री शिवसिंहजी राजपूत	कॉगड़ी, जोधपुर-३४२००६	माघ वदि
४९९.	भगाराम नाँगल/श्री राणाराम सुथार	V.P.O. बस्तुआ, (बालेसर)	माघ वदि
५००.	संजयकुमार गुप्ता/श्री हरीश स्वरूप गुप्ता	५२६, डिफेंस कॉलोनी, चौ. रोड़, जोधपुर	माघ वदि
५०१.	कालूरामजी कूमावत/श्री बहादररामजी टाक	P.O. आलमगढ़, अबोहर (फिरोजपुर)	माघ वदि
५०२.	शंकरलाल अध्यापक/श्री भेरारामजी माधव	V.P.O. कोलीवाड़ा-३०६९०२	माघ वदि
५०३	वैद्य श्री सांवरमल/ओंकारमलजी शर्मा	V.P.O.चाचीबाद बड़ा, लक्ष्मणगढ़ (सीकर)	माघ सुदि
५०४.	श्री गोपीदेवी कुलरिया/श्री सांगारामजी	V.P.O. दांतल, वाया फलसूंड (पोकरण)	माघ वदि
५०५.	ओमप्रकाश	इन्दौर (मध्यप्रदेश)	माघ वदि
५०६.	श्रीमती विमलादेवी/बलराम सरस्वा	V.P.O. आलमगढ़, पंजाब	माघ वदि
५०७.	प्रकाश भाई/श्री दरजाजी राठौड़	कालिन्द्री, (सिरोही), हाल-नडियाद	माघ वदि
५०८.	सुखबीरसिंह/बलौरसिंह	देसू मलकाना, सिरसा, हरियाणा	माघ वदि
५०९.	डूंगरराम बोधू (अध्यापक)/श्री वन्नारामजी	वार्ड ९, जसोल (बालोतरा)	माघ वदि
५१०.	श्रीमती लक्ष्मीदेवी/गोवर्धनराम बसेर	चारण की नाऊ, तह.लक्ष्मणगढ़, सीकर	माघ वदि
५११.	भँवरलाल/श्री पोकरराम	V.P.O. कवास (बाडमेर) ३४४००१	माघ सुदि
५१२.	सुरेशकुमार/श्री भोमारामजी तालनिया	वार्ड नं. २४, रामगढ़ शेखावाटी	माघ सुदि
५१३.	कँवरलाल सुथार/श्री अणदारामजी कुलरिया	V.P.O. सरली (बाडमेर) ३४४००१	माघ सुदि
५१४.	श्रीमती भागवंती कौर/श्री बुद्धरामजी कालवा	V.P.O. देसू मलकाना, सिरसा (हरियाणा)	माघ सुदि
५१५.	भागीरथराम/श्री अखारामजी महीचा	मेनसर (बीकानेर)-३३४८०२	माघ सुदि
५१६.	मुखराम प्रजापत/श्री रतिरामजी दूढाड़ा	V.P.O. मोहन मगरिया (हनुमानगढ़)	माघ सुदि
५१७.	रामचन्द्र मेघवंशी/श्री चम्पालालजी कड़ेला	चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड, जोधपुर	माघ सुदि
५१८.	अनोपाराम सुथार/श्री तेजारामजी कुलरिया	V.P.O. दशाणिया (शेरगढ़) ३४२०२२	माघ सुदि
५१९.	तिलोकचन्द जाट/श्री सुरजारामजी झोरड़	V.P.O. मोहन मगरिया (हनुमानगढ़)	माघ सुदि
५२०.	श्रीमती गंगादेवी/श्री प्रभुजी दादावत,	V.P.O. पोमावा (सुमेरपुर)	माघ सुदि
५२१.	छगनलाल परमार/श्री धर्मारामजी परमार	मलाड (ई) मुम्बई	माघ सुदि
५२२.	भीकमचन्द/स्व. श्री लालूराम सुथार	विश्वकर्मा कॉलोनी, राजलदेसर (चूरू)	माघ सुदि
५२३.	रामेश्वरलाल माकड़/श्री सांवतारामजी	V.P.O. श्री बालाजी (नागौर)-३४१०२९	माघ सुदि

क्रमांक नाम मय पिता, गोत्र	संक्षिप्त पता	वार्षिक सेवा दिन
५२४. संत सतपालदास/स्वामी रामप्रकाशाचार्यजी	उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ), जोधपुर-६	माघ सुदि ६ सायं
५२५. बादराम कुमावत/श्री मनफूलरामजी	V.P.O. आलमगढ़ (पंजाब)	माघ सुदि ६ सायं
५२६. मारुति साहब शिंदे/श्री साहबरामजी शिंदे	P.O. बारामती (महाराष्ट्र)	माघ सुदि ७ प्रातः
५२७. हरलालसिंह बबेरवाल/देवारामजी	बड़वासी, झुँझुँनू-३३३०४५	माघ सुदि ७ दिन
५२८. रामस्वरूप प्रधानाध्यापक/श्री समदारराम जनागल	V.P.O. रताऊ-३४१३१७	माघ सुदि ७ सायं
५२९. तेजाराम गोठड़ीवाल/श्री गोपालरामजी	V.P.O. सुजानगढ़, चुरू-३३१४०७	माघ सुदि ८ प्रातः
५३०. बाबूलाल बोयल/नौरंगलालजी	बड़वासी, झुँझुँनू-३३३०४५	माघ सुदि ८ सायं
५३१. डॉ. महेन्द्रकुमार शर्मा/श्री सत्यनारायण भारद्वाज	शहर बगड़, झुंझुनू, हाल जयपुर	माघ सुदि ८ सायं
५३२. डॉ. कृष्णकुमार टाक/श्री चन्दूरामजी कुमावत	V.P.O. आलमगढ़-१५२११६ (अबोहर)	माघ सुदि ९ प्रातः
५३३. बीरबलराम गंडेर/किशनारामजी	V.P.O. खिंदासर, त. कोलायत-३३४३०२	माघ सुदि ९ सायं
५३४. गोपीराम चांदोरा/श्री ज्ञानारामजी कुमावत	V.P.O. आलमगढ़ (अबोहर) १५२११६	माघ सुदि १० प्रातः
५३५ प्रहलादराम देपन/श्री आतमरामजी देपन	V.P.O. भादरियाराय, लाठी (जैसलमेर)	माघ सुदि १० सायं
५३६. श्रीमती लालीदेवी/पत्नी श्री देवीलाल पनवा	V.P.O. रणसीसर, चुरू-३३१००१	माघ सुदि ११ प्रातः
५३७. नरसिंगाराम बारुपाल/श्री नेहचलराम	V.P.O. चान्धन, लाठी (जैसलमेर)	माघ सुदि ११ सायं
५३८. श्री मीठालाल तलाटी/श्री अजाजी दईया	खोडियार माता मंदिर के सामने, नडियाद	माघ सुदि १२ प्रातः
५३९. रामनिवास रांका/श्री जगमालदासजी गिरधर	V.P.O. दिवानिया (सरदार शहर)	माघ सुदि १२ सायं
५४०. रूपाराम सुथार/श्री सुखारामजी बरड़वा	चौ. हा. बो. १९/६११, जोधपुर-८	माघ सुदि १३ प्रातः
५४१. जगसीरसिंह भाटिया/सोहनसिंहजी	V.P.O. कालूवाला, हरियाणा	माघ सुदि १३ सायं
५४२. संत बागाराम/संत रणछारामजी वैष्णव	बणजारा भवन, विशनगढ़-३४३००१	माघ सुदि १४ प्रातः
५४३. सुखजीत कौर/श्री बिलोवरसिंहजी	V.P.O. देसू मलकाना, हरियाणा	माघ सुदि १४ सायं
५४४. हिम्मताराम रॉगी/जूँजारामजी रॉगी	नेहरू कॉलोनी, बालोतरा-३४४०२२	माघ पूर्णिमा प्रातः
५४५. रामजीत कौर/श्री बिलोवरसिंहजी	V.P.O. देसू मलकाना, हरियाणा	माघ पूर्णिमा सायं
५४६. नारायणराम भूंदड़/श्री सदासुखजी भूंदड़	V.P.O. सामराऊ (लोहावट) ३४२३०२	फाल्गुन वदि १
५४७. केसराराम सुथार/श्री तुलसारामजी बूढ़ड़	P.O. तिबना, वाया तेना-३४२०२४	फाल्गुन वदि २
५४८. जगदीशराम/श्री खंगाररामजी बूढ़ड़	V.P.O. शेरगढ़-३४२०२२	फाल्गुन वदि ३
५४९. चौथाराम कुलरिया/श्री प्रह्लादरामजी सुथार	कलाऊ वाया सेतरावा-३४२०२५	फाल्गुन वदि ४
५५०. शेषाराम डांगी/श्री केराजी डांगी	V.P.O. पोमावा-३०६९०२ (सुमेरपुर)	फाल्गुन वदि ५
५५१. रामूराम बूढ़ड़/श्री मंगनाराम बूढ़ड़	V.P.O. शेरगढ़-३४२०२२	फाल्गुन वदि ६
५५२. पूंजराजसिंह/श्री हंसराजजी राजपुरोहित	V.P.O. कानोडिया-३४२३०९	फाल्गुन वदि ७
५५३. मोहनराम कड़ेला/श्री हेमारामजी कड़ेला	V.P.O. डेरिया-३४२३०६	फाल्गुन वदि ८
५५४. भंवरलाल मांडण/श्री सांगारामजी मांडण	बड़ा मड़ला-३४२३१४, हाल-मुम्बई	फाल्गुन वदि ९
५५५. जगदीश भाटी/श्री हरिरामजी भाटी	काकेलाव (बनाड़)-३४२०२७	फाल्गुन वदि १०
५५६. दुर्गाराम जोपिंग/श्री डूँगरलालजी जोपिंग	झाबरा, V.P.O. भणियाणा (पोकरण)	फाल्गुन वदि ११
५५७. देवाराम (अध्यापक)/रणजीतारामजी पंवार	बायतू पनजी-३४४०३४	फाल्गुन वदि १२
५५८. भगवान भाई/श्री सुन्दरभाई ब्रह्मक्षत्रिय	गढ़शीशा, तालुका भुज (गुजरात)	फाल्गुन वदि १३
५५९. अनोपाराम/श्री सोनाराम जी पाखरवड़	V.P.O. सोमेश्वर, (सेतरावा)३४२०२५	फाल्गुन वदि १[illegible]

सत्तावन वर्षीय वार्षिकोत्सव (बरसी) सारणी

प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल महेश नवमी को रात्रि सत्संग एवं दूसरे दिन दशमी को गुरु समाधियों का दर्शन–पूजन पर्वोत्सव वैष्णवाराधन मनाये जाने की सूचना–सुविधा हेतु सत्संग तारीख विज्ञप्ति

संवत्	वार	सत्संग तारीख	सन्
2072	बुध	27 मई	2015
2073	सोम	13 जून	2016
2074	शुक्र	2 जून	2017
2075	द्वि. गुरु	21 जून	2018
2076	मंगल	11 जून	2019
2077	रवि	31 मई	2020
2078	शनि	19 जून	2021
2079	गुरु	9 जून	2022
2080	सोम	29 मई	2023
2081	शनि	15 जून	2024
2082	बुध	4 जून	2025
2083	मंगल	23 जून	2026
2084	शनि	12 जून	2027
2085	गुरु	1 जून	2028
2086	बुध	20 जून	2029
2087	सोम	10 जून	2030
2088	शुक्र	30 मई	2031
2089	गुरु	17 जून	2032
2090	सोम	6 जून	2033
2091	शुक्र	26 जून	2034
2092	गुरु	14 जून	2035
2093	सोम	2 जून	2036
2094	द्वि. रवि	21 जून	2037
2095	शुक्र	11 जून	2038
2096	बुध	1 जून	2039
2097	मंगल	29 जून	2040
2098	शनि	8 जून	2041
2099	बुध	28 मई	2042

संवत्	वार	सत्संग तारीख	सन्
2100	सोम	15 जून	2043
2101	शनि	4 जून	2044
2102	शुक्र	23 जून	2045
2103	मंगल	12 जून	2046
2104	रवि	2 जून	2047
2105	शनि	20 जून	2048
2106	गुरु	10 जून	2049
2107	सोम	30 मई	2050
2108	शनि	17 जून	2051
2109	बुध	5 जून	2052
2110	सोम	26 मई	2053
2111	रवि	14 जून	2054
2112	गुरु	3 जून	2055
2113	गुरु	22 जून	2056
2114	सोम	11 जून	2057
2115	शनि	1 जून	2058
2116	गुरु	19 जून	2059
2117	सोम	7 जून	2060
2118	शुक्र	27 मई	2061
2119	गुरु	15 जून	2062
2120	मंगल	5 जून	2063
2121	सोम	23 जून	2064
2122	शनि	13 जून	2065
2123	बुध	2 जून	2066
2124	मंगल	21 जून	2067
2125	शनि	9 जून	2068
2126	बुध	29 मई	2069
2127	मंगल	17 जून	2070

विशेष नोट : वि.सं. 2075, 2094 में ज्येष्ठ महिने दो रहेंगे। अत: दूसरे शुद्ध ज्येष्ठ की शुक्ल नवमी को रात्रि सत्सग रहेगा, यहाँ नवमी तिथि के दिन आने वाली तारीखों की सूची है, अगले दिन दशमी होगी

सदस्यों की अमर (अजस्त्र) सेवा में अपने माता-पिता के नाम सेवा तथा स्वयं सदस्य बनक परमार्थ सेवा का लाभ लेने हेतु कार्यालय से सम्पर्क करें।

विश्वकर्मा कला दर्शन मूल्य : 70 रु.

इस पुस्तक में पूजा, मुहूर्त एवं कला के अनुच्छेदों में विविध प्रकार से शिल्प कला का महत्व, गज के एक-एक इन्ची पर प्राकृतिक दैविक अंश कलाओं का निवास, सर्व गज को ग्रहण करने का विधान, विश्व की समस्त कलाओं में काम आने वाले 36 औजारों के नाम सहित राजमिस्त्रियों एवं शिल्प विद्यार्थियों के लिये अत्युपयोगी है। गज का सम्पूर्ण विवरण सहित रंगीन चित्र एवं वास्तु रचना में भूमि परीक्षण, भवन निर्माण विधि आदि को भी समझाया गया है। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा स्वीकृत साहित्य सूची में दर्शन धर्म संस्कृति के अन्तर्गत पूर्व मान्यता प्राप्त है।

नशा खण्डन दर्पण मूल्य : 40 रु.

इसमें आधुनिक प्रचलित मादक पदार्थ जैसे चाय, तम्बाकू, अफीम, भांग, गाँजा, चरस, कोकीन, दारू इत्यादि सार्वभौम छब्बीस नशों का ऐतिहासिक विवरण, हजारों डॉक्टरों, वैद्यों, हकीमों तथा धर्म-शास्त्र, पुराण, बाइबिल, कुरआन आदि आर्ष ग्रन्थों के प्रमाणों, उदाहरणों की रोचकता सहित उन्नतिशील गद्य और मौलिक पद्यात्मक प्रवाह में नशा सीखने के मुख्य तीन कारण एवं नशा छोड़ने के अनेक अचूक उपाय एवं औषधियाँ आदि अनेक विषयों में वर्णित है।

मरक्षा अनुष्ठान संग्रह मूल्य : 10 रु.

इसमें 21 से अधिक सन्त महापुरुषों द्वारा कही गई राम रक्षाओं का संकलन करके साधन विधि सहित भूत-प्रेत, गृह-बाधा, रोग, संकट-निवारण, परीक्षा, नौकरी-आजीविका, मुकदमा-विजय आदि सुख समृद्धि साधना के साथ धन, शन्ति प्राप्ति की सफलताओं के प्रदाता मन्त्रों को सरल भाषा में सन्तों, पूर्वाचार्यों कृतियों का संकलन किया है।

ायण मन्त्र उपासना मूल्य : 11 रु.

दैहिक, दैविक, भौतिक जन्य जिसमें आधि, व्याधि, उपाधि के त्रय ताप-पाप दूर करने वाले, समस्त दुःख, भय-संकट-परिस्थियों से मुक्ति तथा सकाम इच्छा पूर्ति जनक साधन मन्त्र है अर्थात् इच्छा फल दायक अद्वितीय सफल पुष्प है। जिससे हजारों उपासक-साधक लाभ लेते हैं।

ल रहस्य (छन्द विवेचन) मूल्य : 60 रु.

इस पुस्तक में हिन्दी व्याकरण का शास्त्रीय रूप एवं काव्य कला वर्ण और मात्रा के भिन्न-भिन्न संख्या, सूची, प्रस्तार, नष्ट, उदिष्ट, मेरु, पताका, मर्कटी आदि के चित्र, षोडश कर्म, अङ्ग विस्तार तथा प्रमुख अष्टाङ्गों का सचित्र विपरीतिकरण, विभिन्न रस-अनुप्रास भेद, श्लेष, यमकादि काव्यालङ्कार तथा कई छन्दों की जातियाँ, रूपक, उदाहरण-विधि लक्षण एवं पर्यायवाची, हुवाची, एकार्थवाची, विलोमादि शब्द संज्ञाओं का बाहुल्य देकर विधैय रीति से नव अनुच्छेदों में लिखा गया है। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा भाषा और व्याकरण के अन्तर्गत हिन्दी कक्षा नवमी से ग्यारहवीं तक मान्यता प्राप्त है।

बाल ज्योतिष दोहावली (मूल 750 दोहा) मूल्य : 20 रु.

बाल ज्योतिष दोहावली (सरल टीका सहित) मूल्य : 50 रु.

मेें ज्योतिष सम्बन्धी वर्ष विचार, साधारण मुहूर्तों सहित अनेक चमत्कारिक उपयोगी सार के जानने को चुटकलों में देकर ता के सुविधा हेतु कई अनोखे योग प्रसार किये गये है। वर्ष भविष्य एवं आवश्यक मुहूर्त निकालने हेतु ज्योतिष के तत्त्व रत्न ों में बिना पंचांग के नक्षत्र, वार, तिथि, संक्रान्ति, चन्द्र निकालने एवं कण्ठस्थ करने में सर्व सुलभ श्रेष्ठ संकलन योग्य आठ सौ स दोहा छन्दों का पद्यात्मक संगम तथा बगैर कैलेण्डर ईसवी महीना, तारीख, वार मिलान, एकसौ ग्यारह वर्ष का ईसवी ण्डर, एक सौ तीस वर्ष के अधिक मास, अबूझ सिद्ध यात्रा मुहूर्त पत्र, संवत्सरी जमाने का भविष्य ज्ञान, अपनी कृषि भूमि ल स्रोत कहाँ है ? इत्यादि अनेक अचूक आश्चर्यजनक सारणियों का आलेख है।

ग शब्दावली मूल्य : 35 रु.

ुस्तक में आध्यात्मिक समर के विजयी भूत 60 प्रश्न-उत्तर भजन एवं कुल 238 अनूठे भजन हैं। अन्त में विविध काव्य में ात्मिक रचना में 285 छन्द देकर पुस्तक को प्रत्येक पाठक के उपयोगी बनाया है।

शब्द सुधाकर मूल्य : 25 रु.

गूढ़ार्थ भजन मञ्जरी मूल्य : 20 रु.

अनेक ऐतिहासिक खोज भरे वन्दना के 108 गूढ़ार्थ दोहों की टिप्पणी सहित राश्यार्थ (राशि कूट) के 109 दोहा छन्द एवं अष्टक, एक-अनेक दृष्टान्त बावनी के साथ तीन प्रकरणों में पुस्तक को अति उपयोगी बनाया गया है, जिसे पढ़ते ही ए पाठक के मन-मस्तिष्क प्राङ्गण में कसरत करनी पड़ती है।

सुबोध टीका दर्पण (पूर्वाचार्यों के अनुभूत पदों की अपूर्व टीका) मूल्य : 300 रु.

पाँच भागों में लिखित इस ग्रन्थ में श्रीमत्परमहंस स्वामी श्री हरिरामजी महाराज वैरागी द्वारा रचित 64 भजन, श्री स्वामी जीय महाराज कृत 3 भजन, श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज द्वारा कृत विपर्यय भजन, श्री स्वामी सुन्दरदासजी महाराज कृत छन्दों की जिज्ञासु मनोहरण सुबोध टीका की गई है। इसके साथ ही श्री स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज कृत भज मनोहारी छन्दों का भी समावेश किया गया है।

रत्नमाल चिन्तामणि मूल्य : 25 रु.

इसमें चिन्तनीय अनमोल इच्छा प्रदायक शब्द रत्न जैसे छः सौ प्रश्नों के छः सौ उत्तर, तीन सौ दोहों में प्रश्नोत्तरावलि शिक्षावलि के सौ दोहों में करो न करो (भलो न भलो) के चार सौ उपदेश वचन तथा उपदेशमाला, चौरासी बोल आदि विषय पाठ्य सामग्री है। जो प्रत्येक सत्संगी-विद्वान् को सभाजीत एवं सुन्दर योग्यता प्रदान करती है।

उत्तम स्वर योग रत्नावली मूल्य : 90 रु. मूल उत्तम बाल योग रत्नावली - मूल्य : 25 रु.

इसमें उत्तम बाल (जिज्ञासुओं) के योग विषय में प्रवेशार्थ संक्षिप्त स्वरोदय विज्ञान, तत्त्व साधना, इडा, पिंगला, सुषुम्णा, कर्मयोग का परिचय, प्राणायाम भेद-उपभेद विधि, स्वरोदय, त्रयनाडी का सम्पन्न सम्पूर्ण ज्ञान-फलसिद्धि दोहों की रचना स्वर योग विषयक पारिभाषिक शब्दकोश एवं तालिकाएं दी गई हैं। अन्त में उपदेश भजन आदि साधनमार्ग दर्शन, साधना स्रोत रूप कर्म, स्वर, ज्योतिष-भजन योग के काव्य छन्द एकत्रित है।

उत्तमराम अनुभव प्रकाश मूल्य : 40 रु.

इसमें स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज कृत सगुण-निर्गुण उपासना में भक्ति, वेदान्त-ज्ञान, उपदेश विभिन्न राग रागि ३२१ भजनों का अद्वितीय भण्डार है।

सन्ध्या विज्ञान मूल्य : 100 रु. (अजिल्द) 125 रु. (सजिल्द)

श्री स्वामी अचलरामजी महाराज विरचित इस ग्रन्थ में वेदोक्त सन्ध्या का महत्व बतलाकर उससे होने वाले अनेक रहस्यमय अपूर्व लाभों को प्रकट किया है। सन्ध्या शब्दार्थ, षट्चक्रों का रहस्य, प्राणायाम विधि, अष्टाङ्ग योग, ब्रह्मचर्य उसके आदर्श, त्रिबन्ध, नेति-धौति क्रिया, प्रणव का महत्त्व, सन्ध्या से स्वराज्य और साम्राज्य की प्राप्ति, तत्त्व विचार, सन्ध्या विधि, माण्डूक्योपनिषद्, राम नाम की व्यापकता, राम-रहीम की एकता आदि विषयों पर शास्त्रीय विवेचन किया गया में स्वामी अचलरामजी महाराज का **संक्षिप्त आत्म परिचय** भी दिया गया है, जो अभी 73 वर्षों के बाद सुलभ प्रकाशन

हिन्दू धर्म रहस्य मूल्य : 450 रु.

स्वामी अचलरामजी महाराज विरचित दुर्लभ ग्रन्थ, जो कि 78 वर्ष बाद पुनर्प्रकाशित हुआ है, इसमें हिन्दू धर्म के स उपांगों, विभिन्न यौगिक क्रियाओं का वर्णन, सनातन धर्म की 72 शाखाएँ, नौ प्रकार के दान, नौ प्रकार के तप, अठारह कर्म, सत्ताईस प्रकार की उपासना, नौ प्रकार के ज्ञान और विशेष धर्म में आर्य जाति, आर्य धर्म, आर्य भाषा, आर्य और की एकता, नारीधर्म का रहस्य, वेदोक्त गोमेध, अजामेध, नरमेध, अश्वमेध आदि यज्ञों का रहस्य, नैतिक, धार्मिक, डॉ आर्थिक दृष्टियों से मांसाहार का निषेध, मादक द्रव्यों का निषेध, गोरक्षा, हिन्दू-धर्म-प्रचार, अछूतोद्धार, वेदोक्त साम्यवा स्वतन्त्रता, वेदोक्त स्वराज्य और साम्राज्य की प्राप्ति, वेदोक्त मातृभाषा, मातृसभ्यता और संस्कृति की महिमा तथा राष्ट्रसे चरखा के महत्त्व का कथन किया है।

कामधेनु मूल्य : 100 रु.

विश्व के अग्रणी देशों में गो-पालन का महत्त्वपूर्ण स्थान है एवं कहीं-कहीं पर गोवंश पर उनकी अर्थव्यवस्था टिव गोवंश की विभिन्न नस्लें, वैज्ञानिक दृष्टि से गो-उत्पादनों (पंचगव्य) द्वारा विभिन्न रोगों का शमन, गोवंश द्वारा आर्थि में योगदान, वर्तमान में गोवंश की स्थिति एवं विभिन्न गो-आधारित उत्पाद बनाने की विधि सहित गो की महत्ता पर प्रक हुए गाय के हर एक पहलु का तथ्यात्मक विवेचन है, जो सर्वजन, गौभक्तों एवं गौशाला धारकों के लिए अत्युपये

सर्वदर्शन वाद कोश मूल्य : 100 रु.

आध्यात्मिक षड् दर्शन के आरम्भवाद, विवर्तवाद, परिणामवाद, संवाद, उत्पातवाद, कर्मवाद, मार्क्सवाद, समाजवाद,
भौतिकवाद इत्यादि विश्व में विविध मत-मतान्तरों के विभिन्न सिद्धान्तों का कथन, स्वमत मण्डन एवं परमत खण्डन
मन्तव्यों का संकलन करके विद्वत्मण्डल में अनेक विचारों का चिन्तन-मनन तथा आर्ष ग्रन्थों के आध्यात्मिक,
राजनैतिक, बौद्धिक, आर्थिक चर्चित चर्चाओं का संकलन करके भ्रामिक निवृत्ति स्वचित्त शान्ति का कथन किया

नासकेत गीता (टीका सहित) मूल्य : 120 रु.

कठोपनिषद् के यमराज-नचिकेता के संवाद का श्रीशुक सम्प्रदायाचार्य श्री चरणदासजी महाराज द्वारा पद्यात्मक कृति
नर्क के फलादेश दर्शन विषय में आध्यात्मिक विषयक चर्चा से भरपूर है। मूल पद्य का स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी मह
सरल हिन्दी अनुवाद इसे और भी सुपाठ्य बना देता है।

संस्कार चन्द्रिका मूल्य : 60 रु.

सनातन धर्म के सोलह संस्कारों का विस्तृत एवं प्रामाणिक विवेचन यहां किया गया है। साथ ही मानव-जीवन में सं
महत्ता, वैज्ञानिकता, आध्यात्मिकता के पक्ष पर भी प्रकाश डाला गया है।

सुगम चिकित्सा (प्रथम भाग) मूल्य : 80 रु.

योगीराज स्वामी अचलरामजी महाराज द्वारा विरचित और प्रकाशित इसमें शारीरिक बाह्य/अन्तरङ्ग रोगों पर 3225 सुगम
के प्रयोग दिये गये हैं। विविध रोगों के प्रकार विवरण, रोग होने के कारण, पहचान, लक्षण, पथ्य-अपथ्य सहित रोग
सुगम चिकित्साएँ लिख कर जनता का बड़ा उपकार किया है। सरल और सस्ते अचूक नुस्खे हैं, जो घर के आसपास
उपलब्ध सामग्री से अचानक कभी भी प्रयोग करके योग्य स्वास्थ्य लाभ के साथ धनखर्च को भी बचाया जा सकता

सुगम चिकित्सा (द्वितीय भाग) मूल्य : 80 रु.

इस द्वितीय भाग में योगीराज स्वामी अचलरामजी महाराज ने स्त्री-पुरुषों के अनेक गुप्त रोगों पर अनुसन्धान किये हैं।
असाध्य 56 प्रकार के रोगों पर 57 विषय-प्रसङ्गों में 2150 प्रकार के सुगम चिकित्सा प्रयोग दिये गये हैं। इसमें पुरुषों
मूत्र सम्बन्धी समस्त रोग, गुदा सम्बन्धी रोग, स्त्रियों के समस्त गुप्त रोग, बच्चों के रोग, चर्मरोग, नशा रोग, अनिद्रा
प्रकार के विषों का निवारण इत्यादि अनेक प्रसङ्गों के कारण, लक्षणों सहित उपयोगी और सरल नुस्खे देकर मानव
किया है। अन्त में आयुर्वेदिक शास्त्रों में आई जड़ी बूटियों को जानने के लिये अनेक प्रान्तीय भाषाओं में जड़ी-बूटियों
औषधि शब्द कोष (निघण्टु) भी दिया गया है।

सुगम उपचार दर्शन (देवीदान औषधि कल्पतरु) मूल्य : 90 रु.

इसमें कई प्रकार की देशी जड़ी-बूटियों, आयुर्वेदिक दवाओं के अति सरल और सस्ते परीक्षित नुस्खे रोगों के
उपचार—जो आज से डेढ़-सौ वर्ष पहले तपस्याशील अनुभवी स्वामी देवीदान जी महाराज द्वारा प्रसिद्ध गरीबी गुजरा
छपी थी, उसी का परिवर्धित/संशोधित संस्करण जनहित के लिये उपलब्ध करवाया गया है।

तिलक प्रबोध दर्शन मूल्य : 30 रु.

तिलक करना क्यों जरूरी है ? कैसे करना ? कब करना ? तिलक का कारण क्या है ? इत्यादि तिलक सम्बन्धी
उत्तर शास्त्रीय प्रमाणों सहित है, अन्त में महत्त्वपूर्ण दैनिक उपयोगी मन्त्र संलग्न है। मानव जाति दर्शन अर्थात् जा
जन्म से है ? जाति क्या है ? बनाम जाति कैसे ? गद्य एवं पद्यात्मक एक सौ तीन कवित छन्द में विस्तृत विवरण कथ
विषयों पर आध्यात्मिक भजनों/छन्दों का भण्डार है। पाँच वाणी का विशद निर्णय सहित विवेचन के सात भजन,
गृहस्थ सुधार आदि अनेक प्रसङ्ग खोल कर दरसाये गये है।

उत्तमरामप्रकाश भजन प्रदीपिका मूल्य : 30 रु.

इसमें स्वामी उत्तमरामजी महाराज के प्रचलित मुख्य चयनित भजन, जो अधिकाधिक संगीतप्रेमी गाते हैं, आ
रामप्रकाशाचार्य जी महाराज कृत वेदान्त सिद्धान्त को अपूर्व आध्यात्मिक भजनों की अद्भुत उपदेश सामग्री है।

सुखराम दर्पण अर्थात् उत्तम वाणी प्रकाश मूल्य : 551 रु.

इसमें पूर्व प्रकाशित वाणी प्रकाश (छ: महात्माओं की अनुभव वाणी) में छपे स्वामी सुखरामजी महाराज कृत मूल
की प्रशंसनीय एवं मननीय व्याख्या को अचलोत्तम ज्ञान पीयूष वर्षणी टीका द्वारा एक-एक शब्द के अनेकार्थ
भावार्थ करके 'शताब्दी ग्रन्थ' को आकर्षक जिल्द में रचयिताश्री के निर्वाण शताब्दी स्मृति में समर्पित किया है।

आध्यात्मिक सन्त वाणी शब्द कोष मूल्य : 451 रु.

यह सुखराम दर्पण का शेष भाग है, जो अलग आकर्षक जिल्द में दिया है, इसमें अनेकानेक सधुकड़ी भाषा में
के रचयिता अन्यान्य विभिन्न सम्प्रदायों के भारत प्रसिद्ध सन्तों की रचनाओं में आये कठिन शब्दार्थ, जो साहित्य

एवं उपलब्ध शब्दकोपों में कतिपय शब्दाभाव या अनुपलब्ध है, ऐसे शब्दों का अर्थ संकलन है।

स्वाध्याय वेदान्त दर्शन मूल्य : 35 रु.

इस ग्रन्थ में पूर्वाचार्यों से नीति-बोध के प्रारम्भिक वेदान्त शास्त्र प्रवेशार्थ 'सारुक्तावलि' कवि सन्त हरद्यालजी कृत, 'विचा सन्त अनाथदासजी कृत, 'विचार चन्द्रोदय' पण्डित पीताम्बरदासजी कृत, 'विचार सागर' स्वामी निश्चलदासजी कृत ए कटारी' कवि हरिसिंहजी कृत—इन पाँच ग्रन्थों का मूल पद्यात्मक संग्रह है और अन्त में विशेष भजन दिये गये है।

वेदान्त भूषण वैराग्य दर्शन मूल्य : 35 रु.

भर्तृहरि महाराज कृत 'वैराग्य शतक' को कवि हरद्याल जी द्वारा अनुवादित भाषा काव्य के तेरह अध्यायों में विषय विग कथन किया गया है। कवि सन्त गुलाबसिंहजी कृत 'भाव रसामृत' भक्ति, ज्ञान, नीति, पुण्य फल, संगदोष, प्रभु का प्रभु विधाता के दोपित कार्यों को भली प्रकार से कथन किया है। कवि सम्राट् संत संगतसिंहजीकृत 'बोध प्रकाश' ग्रन्थ में ज्ञान- की स्पष्ट विगत करते हुए तत्त्व 'चिन्तन वेदान्त प्रवेश' किया है। इन तीन ग्रन्थों का अद्‌भुत संकलित मूल पद्यात्मक प्रक जो आध्यात्मिक बोध के लिये सर्वदा पठनीय है।

चिन्तन दैनन्दिनी मूल्य : 40 रु.

स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज द्वारा संकलित इस पुस्तक में संक्रान्ति वर्ष के 365 दिनों के लिए सत् उपदेशप्रद ऋषि का अद्‌भुत संकलन दिया गया है। साथ ही एकसौ चालीस सौर वर्षीय कैलेण्डर, शकाब्द संवत् से विक्रम संवत् का निकालने की विधि, अधिक मास जानने की विधि इत्यादि अनेक विषयों का सांगोपांग विवेचन किया गया है और सम्प्रदाय सन्तों की दर्शनीय चित्रावली सहित यह प्रत्येक पाठक के लिए अत्युपयोगी ग्रन्थ है।

रामप्रकाश भजन प्रभाकर मूल्य : 100 रु.

इस में पूज्य स्वामी रामप्रकाशाचार्यजी महाराज के विभिन्न पुस्तकों में मुद्रित 500 से अधिक अलग-अलग भजनों तथा पद्य जिनको अधिकाधिक भजन प्रेमी गाते हैं, विविध राग-रागिनियों के भजनों को एक जिल्द में प्रकाशित किया गया हैं।

अपूर्व एक लाख वर्षीय कैलेण्डर मूल्य : 5 रु.

एक 12×18 इञ्ची साइज के एक मानचित्र में सन् 1 से लेकर ईसवी के आने वाले एक लाख वर्षों का अर्थात् सृष्टि के अन तक के वार, तारीख, महीने एवं ईसवी वर्ष को देखने की सरल विधि सहित विधान दिया गया है।

अचलराम ग्रन्थावली (तीन भाग में) प्रथम भाग=450, द्वितीय भाग=450, तृतीय भाग

वीतरागी स्वामी उत्तमरामजी महाराज के भेष दीक्षा शताब्दी के अवसर पर परमगुरु स्वामी अचलरामजी महाराज द्वारा 'अचलराम भजन प्रकाश' के भजनों में ज्ञान, उपासना एवं जीवन के कर्मयोग भक्ति, वेदान्त, ज्ञान, साधनादि विषयों के यथार्थ व्याख्या तत्त्वज्ञ स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज द्वारा की गई है जो कि मुमुक्षुओं के लिये अत्युपयोगी है।

अन्य महत्त्वपूर्ण पुस्तकें

पुस्तक	मूल्य	पुस्तक	मूल्य
✦ भारत का व्यास कौन ?	150 रु.	✦ नवलाराम भजन विलास	45 रु.
✦ गीता रसायन	5 रु.	✦ शान्ति भजन प्रदीपिका	25 रु.
✦ पॉकेट कैलेण्डर (तिथि सहित)	10 रु.	✦ गायत्री पाठ संग्रह	5 रु.
✦ उमाराम अनुभव प्रकाश	50 रु.	✦ गोरख वाणी बोध विलास	35 रु.
✦ अवधूत गीता ज्ञान दर्शन	30 रु.	✦ रामदेव ब्रह्म पुराण	50 रु.
✦ सैलाणी (टीका सहित)	15 रु.	✦ अचलोत्तम गुरु गीता	15 रु.
✦ नित्य पाठ-नव स्तोत्र	11 रु.	✦ निर्गुण राम भजनावली	15 रु.
✦ सत्यवादी वीर तेजपाल	15 रु.	✦ अन्त्येष्टि संस्कार दर्पण	15 रु.
✦ लोकदेवता बाबा रामदेव	45 रु.	✦ जीवन दर्पण	50 रु.
✦ सचित्र उत्तम योग	50 रु.	✦ स्वप्न फल दर्शन	70 रु.
✦ अध्यात्म दर्शन (वेदान्त)	350 रु.	✦ व्यासपीठ के वक्तागण सावधान!	20 रु.

सम्पर्क करे —

उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ), कागातीर्थ मार्ग जोधपुर-342006

फोन/फैक्स : 0291- 2547024, मोबा. 94144-18155, 94605-90474, E-mail : uttamashram@gm

श्री वैष्णव सन्त स्मृति स्थल (सन्त समाज श्मशान भूमि कागा) राजगुरु श्री स्वामी हरिरामजी महाराज 'वैरागी' उद्यान

उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) कागातीर्थ मार्ग पर जोधपुर में स्थित है। यह रास्ता आगे प्राचीन काग ऋषि की तपस्थली में पहुँचकर वहीं ऐतिहासिक शीतलामाता मन्दिर पर विराम करता है। आचार्य पीठ से आगे इसी मार्ग पर ७०० मीटर की दूरी पर श्री वैष्णव सन्त स्मृति स्थल (सन्त समाज श्मशान भूमि कागा) राजगुरु श्री स्वामी हरिरामजी महाराज 'वैरागी' उद्यान में पूर्वाचार्यों की समाधियों का धाम दर्शन है। जहाँ वि.सं. १९०० से अद्यावधि कुल ३० समाधियों में से कई भूमिगत गुप्त-लुप्त हैं, कई दर्शनीय-पूजनीय है, जो सिद्ध स्वरूप है। बहुधा आस्तिक उपासक मनोकामना लेकर आते हैं और श्रद्धा संयुत विश्वास से निराशा में आशा की ज्योति जगाकर इच्छित फल पाते हैं। इन समाधियों का व्यवस्थित चरण पादुका चिह्न स्थापित करते जीर्णोद्धार वर्तमान श्रीमहन्त स्वामी श्री रामप्रकाशाचार्य जी महाराज ने अथक प्रयासों से किया है। अभी कुल २६ समाधियों का उल्लेख उपलब्ध हो सकता है, जिनका विवरण निम्न अनुसार है -

क्रम	सन्त का नाम व समाधि	शिष्य-परशिष्य/गुरु नाम	जन्म वर्ग	साकेत तिथि
१	श्री शिवरामजी 'वैरागी'	श्री मगनीरामजी 'वैरागी' शिष्य	चारण	वि.सं. १९०० आषाढ सुदी ९
२	श्री मगनीरामजी 'वैरागी'	श्री नैनूरामजी के शिष्य	क्षत्रिय	वि.सं. १९०५ चैत्र सुदी ९
३	श्री नैनूरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी हरिरामजी 'वैरागी' के शिष्य	ब्राह्मण	वि.सं. १९२९ द्वि. भाद्रपद सुदी ४
४	श्री स्वामी हरिरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी गंगारामजी महाराज के शिष्य	भाटी क्षत्रिय	वि.सं. १९३३ चैत्र वदी २
५	श्री हीरालालजी 'वैरागी'	श्री स्वामी हरिरामजी महाराज के शिष्य	वैश्य	वि.सं. १९३४ वैशाख सुदी २
६	श्री छोटे हरिरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य	राठौड़ क्षत्रिय	वि.सं. १९३६ चैत्र सुदी ११
७	श्री जीयारामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी हरिरामजी महाराज के शिष्य	सुथार	वि.सं. १९५४ मार्गशीर्ष सुदी १२
८	श्री गेनदासजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	ब्राह्मण	वि.सं. १९५६ आषाढ़ सदी ५
९	श्री सुखरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी जीयारामजी महाराज के शिष्य	जाट	वि.सं. १८५९ फाल्गुन वदी ४
१०	श्री हरलालरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	जाट	वि.सं. १९५९ फाल्गुन सुदी १४
११	श्री सेवादासजी 'वैरागी'	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य	जाट	वि.सं. १९६२ चैत्र सुदी १४
१२	श्री विश्वेश्वरदासजी (दूधाधारीजी)	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य	जाट	वि.सं. १९६३ फाल्गुन वदी १४
१३	श्री किसनारामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	राजपूत	वि.सं. १९६४ भाद्रपद पूर्णिमा
१४	श्री किसनदासजी महाराज	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य	सुथार	वि.सं. १९६५ वैशाख सुदी ३
१५	श्री भानूरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	महेश्वरी वैश्य	वि.सं. १९६७ श्रावण सुदी ७
१६	श्री जमनादासजी	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य	कुमावत	वि.सं. १९८० पौष सुदी १४
१७	श्री संत रणछोड़दासजी	श्री स्वामी दूधाधारीजी महाराज के शिष्य	कुमावत	वि.सं. १९५५ आषाढ़ वदी १३
१८	श्री सेवारामजी	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	माली	वि.सं. १९९६ आषाढ़ सुदी १०
१९	श्री अचलरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	सैनी कछवाह	वि.सं. १९९९ द्वि ज्येष्ठ वदी ७
२०	श्री साध्वी चतुरीबाई जी	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	माली	वि.सं. संवत् अज्ञात
२१	श्री अचलनारायणजी	श्री स्वामी अचलरामजी 'वैरागी' के शिष्य	कछवाह	वि.सं. २०२४ माघ सुदी १४
२२	श्री उत्तमरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी अचलरामजी 'वैरागी' के शिष्य	सूत्रकार क्षत्रिय	वि.सं. २०३४ आषाढ़ सुदी ९

अन्य **श्री हरिरामजी महाराज के शिष्यों में** (१) सन्त हीरादासजी महाराज, (२) साध्वी मीराबाईजी, (३) सन्त आत्माराम की तीन समाधियाँ भी यहीं पर हैं, जिनकी निर्वाण तिथि तथा संवत् अज्ञात है। **श्री सुखरामजी महाराज के शिष्यों में** - (सन्त भगवानदासजी की एक समाधि भी यहीं पर हैं, निर्वाण तिथि अज्ञात है। शेष दो समाधियों के नाम-परिचय अज्ञात है, १९५५ में भी उन पर शिलालेख/चरण पादुका नहीं थी। श्री गंगारामजी महाराज की समाधि कोटा में है।

श्रीवैष्णव अग्र रसिक परम्परा में जोधपुर विरक्त गूदड़ गद्दी के वर्तमान पीठाधीश्वर

परम पूज्य स्वामी श्री रामप्रकाशाचार्य जी महाराज ‘अच्यु

श्री महन्त उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ), कागातीर्थ मार्ग, जोधपुर–342006 मोबाइल: 94144 18